वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष :4 अंक : 158 | बुधवार 2 अक्टूबर 2024 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

फुटपाथ-सड़क पर रह रहे बच्चों को लेकर स्वप्रेरित प्रसंज्ञान

हाई कोर्ट ने कहा- सरकार बच्चों से जुड़े कानून को लागू करने में फेल रही

जयपुर. कासं। राजस्थान हाई कोर्ट की जयपुर बैंच ने आज फुटपाथ और सड़क के किनारे रह रहे बच्चों को लेकर स्व प्रेरित प्रसंज्ञान लिया हैं। जस्टिस अनूप ढंढ की अदालत ने मीडिया रिपोर्ट के आधार पर प्रसंज्ञान लेते हुए कहा कि बच्चों के अधिकारों की रक्षा करना सिर्फ कानूनी ही नहीं बल्कि नैतिक दायित्व भी हैं। दरअसल अदालत ने पिछले सप्ताह मीडिया में प्रकाशित एक खबर पर यह प्रसंज्ञान लिया हैं। खबर के अनुसार सड़क किनारे रह रही एक विधवा महिला ने अपनी दो बेटियों और दो बेटों की सुरक्षा के लिए बाल कल्याण समिति से गुहार लगाई थी। जिसमें उसने कहा था कि मेरी दो बेटियां बड़ी हो रही हैं। उनके साथ मुझे किसी अनहोनी की चिंता सताती हैं।इसलिए चारों बच्चों को सरकार द्वार संचालित किसी गृह मे रखवा दिया जाए लेकिन एक महीने बाद भी महिला के प्रार्थना पत्र पर कोई कार्रवाई नहीं हुई। आज अदालत ने केन्द्र व राज्य सरकार को नोटिस जारी करते हुए निर्देशित किया कि वे कानूनी प्रावधानों के अनुसार फुटपाथ पर तंबू में रहने वाले बच्चों और महिला की उचित देखभाल, सुरक्षा की ओर ध्यान दे। हाई कोर्ट ने आज अपने आदेश में कहा कि भारत में 18 वर्ष से कम आयु के बच्चों की जनसंख्या 39 प्रतिशत है, जबकि राजस्थान में वे कुल राज्य जनसंख्या का 43.6 प्रतिशत हैं। राजस्थान राज्य ने बच्चों के समग्र विकास और उनके अधिकारों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए कई नीतियां बनाई हैं। बच्चों से संबंधित कानूनों और नीतियों की समीक्षा और क्रियान्वयन के लिए राजस्थान राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग की स्थापना भी की गई थी। वहीं 17 मई, 2013 की अधिसूचना के अनुसार बाल अधिकार मुद्दों और बाल संरक्षण कार्यक्रमों को संबोधित करने के लिए राज्य द्वारा बाल अधिकार विभाग की स्थापना भी की गई थी। राज्य सरकार के अनुसार, राजस्थान पहला राज्य है जिसके पास बाल अधिकार मुद्दों को संबोधित करने के लिए अलग और स्वतंत्र विभाग है। कई बाल कानून और नीतियां होने के बावजूद राज्य सरकार कानून के अक्षरशः और भावना के अनुसार अपने कर्तव्यों का निर्वहन करने में फेल रही हैं। अदालत ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट ने भी माना है कि किसी भी बच्चे को भारत के संविधान के तहत दिए गए उसके मौलिक अधिकारों से वंचित नहीं किया जाना चाहिए। अदालत ने मुख्य सचिव, बाल विकास एवं कल्याण मंत्रालय के सचिव और राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जयपुर के सदस्य सचिव से बालकों को सभी प्रकार के दुर्व्यवहार से बचाने, सड़क किनारे रहने वाले बालकों को आश्रय गृह, शिक्षा एवं अन्य सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए राज्य एवं केन्द्र द्वारा उठाए गए प्रभावी कदमों की रिपोर्ट तलब की हैं।

अंतर्राष्ट्रीय वृद्धजन दिवस: अतिरिक्त मुख्य सचिव, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता ने कहा...

बुजुर्गों के सम्मानपूर्वक जीवन के लिए सभी को समन्वित प्रयास करने होंगे

राज्यस्तरीय वृद्धजन सम्मान समारोह में 39 वृद्धजनों एवं 8 स्वयंसेवी संस्थाओं का किया सम्मान

जयपुर. शाबाश इंडिया

सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव कुलदीप रांका ने कहा कि बुजुर्गों के सम्मानपूर्वक जीवन के लिए सभी को मिलकर समन्वित प्रयास करने होंगे। रिटायरमेंट लाइफ के बाद बुजुर्ग सामाजिक एवं आर्थिक रूप से सक्षम रहें यह भी जरूरी होता है। उनके साथ भावनात्मक संबंध बने रहे और उम्र बढ़ने के साथ होने वाले रोगों के प्रति जागरूक किया जाना चाहिए ताकि बीमारियों से जितना हो सके बचा जा सके। रांका अंतरराष्ट्रीय वृद्धजन दिवस के अवसर पर जयपुर स्थित हरिश्चंद्र माथुर राजस्थान राज्य लोक प्रशासन संस्थान में आयोजित राज्यस्तरीय वृद्धजन सम्मान समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि राजस्थान में 60 वर्ष से अधिक 11 प्रतिशत व्यक्ति है और बेहतर चिकित्सा सेवाओं से यह प्रतिशत और बढ़ने की संभावना है। उन्होंने कहा की बुजुर्गों के जीवन को सुगम्य बनाने के लिए राज्य सरकार की योजनाओं और हेल्पलाइन नंबर के बारे में जागरूक करने जी जरूरत है। उन्होंने कहा कि भौतिकतावाद के साथ हमारे सामाजिक सांस्कृतिक मूल्यों का अवमूल्यन हुआ है, जिसे गंभीरता से लेने की जरूरत है। रांका ने कहा कि वृद्धजनों के प्रति बच्चों व युवाओं को संवेदनशील बनाने, वयोवृद्धों की विशेष देखभाल करने और ध्यान रखने की भारतीय परंपराओं को सुदृढ़ बनाने की आवश्यकता है। उन्होंने सम्मानित होने वाले सभी वृद्ध जनों को बधाई देते हुए कहा कि युवाओं को बुजुर्गों के अनुभवों का लाभ उठाना चाहिए क्योंकि इनके अनुभव युवाओं को अपने जीवन में आगे बढ़ने के लिए दिशा प्रदान करते हैं। कार्यक्रम में वृद्ध कल्याण, सांस्कृतिक, कला, सामाजिक, साहित्य के क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान प्रदान करने वाले 39 वृद्धजनों एवं वृद्ध

कल्याण के क्षेत्र में कार्य करने वाले 8 स्वयं सेवी संगठनों को प्रशस्ति पत्र, स्मृति चिन्ह एवं शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया गया। समारोह में वृद्धजनों को आवश्यक सहायक उपकरण भी वितरित किए गए और उपस्थित सभी लोगों को बुजुर्गों के सम्मान के लिए प्रतिज्ञा भी दिलाई गई। कार्यक्रम में केसरलाल मीना, अतिरिक्त निदेशक सतर्कता एवं प्रशासन, दिलबाग सिंह अतिरिक्त निदेशक सामाजिक सुरक्षा, विभागीय अधिकारीगण सहित वृद्धजन उपस्थित रहे।

'ओम अर्हं नमः' से गुंजायमान होगा सवाई मानसिंह स्टेडियम

मुनि प्रणम्य सागर महाराज के सानिध्य में श्रमण सिद्धांतों पर आधारित अर्हं ध्यान योग कार्यशाला आज बुधवार 2 अक्टूबर को

सवाई मानसिंह स्टेडियम में उमड़ेंगे सर्व समाज के हजारों लोग, मुनि संघ का मंगलवार को भट्टारक जी की नसियां में हुआ भव्य मंगल प्रवेश

जयपुर. शाबाश इंडिया

संत शिरोमणि आचार्य विद्यासागर महाराज के शिष्य अर्हं योग प्रणेता मुनि 108 प्रणम्य सागर महाराज की प्रेरणा से एवं सानिध्य में अर्हं ध्यान योग की विशाल योगशाला का आयोजन बुधवार को सवाई मानसिंह स्टेडियम में होगा। इस मौके पर सर्व समाज के हजारों की संख्या में लोग शामिल होकर अर्हं ध्यान योग का लाभ उठायेंगे। श्री आदिनाथ दिगंबर जैन समिति मीरा मार्ग मानसरोवर के अध्यक्ष सुशील पहाड़िया एवं मंत्री राजेन्द्र सेठी ने यह विशेष कार्यक्रम गांधी जयंती के उपलक्ष्य में जयपुर के सवाई मानसिंह स्टेडियम में बुधवार 2 अक्टूबर को प्रातः 5:00 बजे से 7:00 तक होगा। कार्यक्रम की सभी तैयारियां पूरी हो चुकी है। जयपुर के सभी इलाकों से एस एम एस स्टेडियम आने जाने के लिए बसों की व्यवस्था की गई है। प्रातः 6.00 बजे तक स्टेडियम पहुचने वाले लोगो को अर्हं योग की टीशर्ट दी जाएगी। स्टेडियम में टौक रोड, राम बाग गेट एवं अमर जवान ज्योति जन पथ गेट से प्रवेश रहेगा। जो लोग जमीन पर नहीं बैठ सकते उनके लिए कुर्सियों पर बैठने की व्यवस्था रखी गई है। इसके लिए प्रवेश टौक रोड पर अर्जुन की मूर्ति वाले गेट से रहेगा। आयोजन से जुड़े हुए विनोद जैन कोटखावदा एवं लोकेन्द्र जैन ने बताया कि अर्हं ध्यान योग आयुष मंत्रालय भारत सरकार के अंतरराष्ट्रीय योग दिवस का ऑफिशियल पार्टनर है। ध्यान योग के माध्यम से यह अनूठा प्रयास देश-विदेश में लाखों लोगों को स्वस्थ और समृद्ध जीवन जीने की कला प्रदान कर रहा है। विगत वर्षों में अर्हं ध्यान योग ने दिल्ली के लाल किला, आगरा के ताजमहल, खजुराहो मंदिर प्रांगण, फतेहपुर सीकरी, झांसी जैसे ऐतिहासिक स्थलों पर अपने सफल योग कार्यक्रमों की अमिट छाप छोड़ी है, जिसमें हजारों लोगों ने सहभागिता निभाई है। आयोजन से जुड़े हुए प्रदीप जैन एवं जे के जैन नेमीसागर ने बताया कि अब अपनी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत के लिए जाने जाने वाले यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल, गुलाबी नगरी जयपुर के सवाई मानसिंह स्टेडियम में, जिसे देश के क्रिकेट प्रेमी भव्यता के लिए जानते हैं, यह आयोजन और भी विशेष होगा। समिति के सुनील बैनाडा एवं तेज करण चौधरी ने बताया कि इसमें विभिन्न सरकारी अधिकारी, राजनेता, सामाजिक गणमान्य व्यक्ति, युवा वर्ग, महिला वर्ग, देश भर के अनुयायी और जैन श्रद्धालुओं सहित सभी समाजों के लोग बड़ी संख्या में भाग लेंगे। इस कार्यक्रम में हजारों लोगों के उपस्थित रहने की संभावना है और इसे लाखों लोग टीवी चैनलों के माध्यम से लाइव देखेंगे। मुनि प्रणम्य सागर महाराज ने अर्हं ध्यान योग के बारे में बताया कि श्रमण सिद्धांतों पर आधारित अर्हं ध्यान योग से तन स्वस्थ, मन प्रसन्न और चेतन निर्मल होता है।अर्हं ध्यान योग एक ऐसी ध्यान योग पद्धति है जो कि श्रमण सिद्धांतो पर आधारित है। इससे भावनात्मक व मानसिक स्तर मजबूत होता है। इस ध्यान के माध्यम से मन को शांति मिलती है। जैन धर्म के प्रवर्तक एवं प्रथम तीर्थंकर भगवान ऋषभदेव 6 माह तक एक ही स्थान पर, निश्चल ध्यान में बैठे रहे। ध्यान के माध्यम से उन्होंने मोक्ष प्राप्त किया। इस युग में योग का प्रवर्तन उनसे हुआ है।

मुनि प्रणम्य सागर महाराज ससंघ का मंगलवार को भट्टारक जी की नसियां में हुआ भव्य मंगल प्रवेश

मुनि प्रणम्य सागर महाराज ससंघ का मंगलवार, 01 अक्टूबर को जवाहर नगर के श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन मंदिर से मंगल विहार हो कर भट्टारक जी की नसियां में भव्य मंगल प्रवेश हुआ। त्रिमूर्ति सर्किल से मुनि संघ का विशाल जुलूस के साथ प्रातः 7.30 बजे भट्टारक जी की नसियां में भव्य मंगल प्रवेश हुआ । इस मौके पर दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र श्री महावीर जी कमेटी एवं श्री मुनि संघ सेवा समिति बापूनगर के पदाधिकारी मुनि संघ की पाद पक्षालन एवं मंगल आरती कर भव्य अगवानी की गई । इस मौके पर आयोजित धर्म सभा में मुनि श्री प्रणम्य सागर महाराज के मंगल प्रवचन हुए।

अ.भा. पल्लीवाल जैन प्रतिभा सम्मान समारोह इन्दौर में आयोजित

इंदौर. शाबाश इंडिया

श्री सुमति धाम इन्दौर में भव्यतापूर्ण प्रतिभा सम्मान समारोह संचालित हुआ, अतिथि स्वरूप सुमत प्रकाश, डां अनुपम, पं जयसेन बाबूजी, राजेन्द्रजी, महेन्द्रजी, राजीव रत्न, आदि-2 उपस्थित रहे। जिससे 80 वर्ष से अधिक वरिष्ठों का सम्मान, दशलक्षण पर्व में 3 से अधिक उपवास करने वाले को सम्मान एवं उपहार भेंट किए गए एवं इस वर्ष नवीन राष्ट्रीय योजना के आधार पर छहढाला के रचियता प. श्री दौलतरम मेमोरियल राष्ट्रीय अवार्ड का शुभारंभ किया गया जिसमें विश्व ख्यातिप्राप्त एक मात्र जैन गणितज्ञ प्रोफेसर डॉ अनुपम जैन (देवी अहिल्या बाई विश्वद्यालय) को राष्ट्रीय प्रतिभा स्वरूप निर्वाचन अधिकारीयों द्वारा चुनाव किया गया व प्रशस्ति व नगद पुरस्कार सम्मानित किया गया व उन्हें द्वितीय ''समाज-गौरव'' सम्मान से भी नवाजा गया, इसी क्रम में डां सिद्धार्थ जैन एम एस (अपोलो हॉस्पिटल) को भी चर्तुविध जैन साधु संतों की निःशुल्क चिकित्सा सेवा हेतु ''समाज-गौरव'' सम्मान से नवाजा किया गया, लगभग 40 से अधिक प्रतिभावान विद्यार्थीयों का सम्मान भी उपहार व सम्मान-पत्र देकर किया गया तत्पश्चात सामुहिक क्षमावाणी मिलन समारोह आयोजित किया गया। जिसमें एक-दूसरे से क्षमा मांगी। पुण्यार्जन- अनिल मधु, श्रीमती कमलेश-सुदर्शन, कपिल, राजीव रत्न, जैन परिवार राऊ, रत्नेश ममता जैन, राजेन्द्र माया, पीसी जैन परिवार द्वारा किया गया, संचालन इन्द्र कुमार जैन व आभार प्रदर्शन राजेन्द्र जैन ने किया, आगामी छहढाला के प्रकाशन का पुण्यार्जक बनने की घोषणा सुमत प्रकाश परिवार द्वारा किया गया एवं ऋषभ कुमार जैन परिवार द्वारा भी सहयोग की घोषणा की गई, अंत में सामूहिक सहभोज के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ। प्रेषक आर के जैन संयोजक एवं संस्थापक ट्रस्ट श्री दिगम्बर जैन गणधर तीर्थ बेलाजी जिला दमोह मध्यप्रदेश और प्रचार मंत्री अ भा पल्लीवाल महासभा शाखा इन्दौर प्रचार मंत्री ग्लोबल महासभा इन्दौर।

अब जयपुर में होगा एक वर्षीय शिव शक्ति महायज्ञ का आयोजन, रोजाना होगी धार्मिक कथाएं...

जयपुर. शाबाश इंडिया

बनीपार्क कांति चंद्र रोड स्थित शांति जीवन में ओमकार सेवा संस्थान चौरिटेबल ट्रस्ट श्री डूंगरपुर के तत्वावधान में 3 अक्टूबर 2024 गुरुवार से 2 अक्टूबर 2025 गुरुवार तक एक वर्षीय शिव शक्ति महायज्ञ का आयोजन किया जा रहा है। पूज्य भाईजी संतोष सागर महाराज ने बताया कि 2 वर्ष से राजस्थान के सभी जिलों में भ्रमण कर श्रीमद् भागवत गीता के बारे में जानकारी दी जा रही है। राजस्थान में अब तक 322 स्कूलों के विद्यार्थियों को श्रीमद् भागवत कथा का पाठ करने का संकल्प दिलवाया है। राजस्थान में 400 से अधिक कथाएं कर चार लाख बच्चों एवं युवाओं को निशुल्क भागवत गीता भेंट कर चुके हैं। संतोष सागर महाराज ने बताया कि यज्ञ ही श्रेष्ठ कर्म है क्योंकि यज्ञ के द्वारा ही मनुष्य ब्रह्म साक्षात्कार की पालना प्राप्त कर सकता है और ब्रह्म साक्षात्कार ही तो मनुष्य जीवन का अंतिम ध्येय है।

यज्ञ के द्वारा होती है उन्नति...

ब्रह्माजी ने मनुष्यों के साथ यज्ञ को भी पैदा किया था, और उनसे कहा था कि इस यज्ञ के द्वारा तुम्हारी उन्नति होगी, यह यज्ञ तुम्हारी इच्छित कामनाओं एवं आवश्यकताओं को पूर्ण करेगा। तुम लोग यज्ञ के द्वारा देवताओं को पुष्ट करो, यह देवता तुम्हारी उन्नति करेंगे। इस प्रकार दोनों अपने-अपने कर्तव्य का पालन करते हुए परम कल्याण को प्राप्त होंगे। यज्ञ के द्वारा पुष्ट किए हुए देवता अनायास ही तुम्हारी सुख-शांति की वस्तुएं तुम्हें प्रदान करेंगे।

रोजाना होगा धार्मिक कार्यक्रमों का आयोजन...

(1)- प्रतिदिन सुबह 6: बजे से 12:15 तक वैदिक शिव शक्ति महायज्ञ का आयोजन किया जाएगा।
(2)- 4 अक्टूबर से 10 अक्टूबर 2024 तक दोपहर 2 बजे से सांय काल 6 बजे तक सप्त दिवसीय श्रीमद्भागवत कथा का आयोजन किया जाएगा।
(3)- 30 जनवरी 2025 से 6 फरवरी 2025 तक दोपहर 2 बजे से सायंकाल 6 बजे तक नव दिवसीय श्रीदेवी भागवत कथा का आयोजन किया जाएगा।
(4)- 30 मार्च से 6 अप्रैल 2025 तक दोपहर 2 बजे से सायंकाल 6 बजे तक श्री राम कथा का आयोजन किया जाएगा।
(5)- 26 जून से 4 जुलाई 2025 तक 3 बजे से 7 बजे तक श्री शिव महापुराण कथा का आयोजन किया जाएगा।
(6)- 22 सितंबर से 10 अक्टूबर 2025 तक 3 बजे से 7 बजे तक संगीतमय श्रीभक्तमाल की कथा का आयोजन किया जाएगा।
(7)- इस अवसर पर प्रत्येक रविवार को सांयकाल 7 बजे से हरि नाम संकीर्तन होगा।
(8)- प्रतिदिन महामृत्युंजय के जाप होंगे।
(9)- 5100 विराट दीप यज्ञ का आयोजन किया जाएगा।
(10)- प्रतिदिन धर्म में रुचि रखने वाले युवाओं को श्रीमद् भागवत गीता से जोड़ा जाएगा।

शाही लवाजमा से निकलेगी कलश यात्रा...

जयपुर में 3 अक्टूबर गुरुवार को जंगलेश्वर महादेव मंदिर से कांति चंद्र रोड स्थित कथा स्थल शांति जीवन तक हाथी, घोड़े एवं पालकी के शाही लवाजमा के साथ 11 सौ महिलाएं सिर पर कलश रखकर गंगा मैया के भजनों के साथ कलश यात्रा निकलेगी।

वेद ज्ञान

गलत व्यवहार से बचें...

रुचि का अर्थ है-स्वभाव या आदत। यह व्यक्ति के जन्म लेते ही इसके साथ आती है और जीवन भर इसके साथ रहती है। इसे बदल पाना संभव नहीं होता है। जब रुचि को स्वभाव कहा गया तो यह कह दिया गया कि यह अपरिवर्तनीय है। भगवान श्रीकृष्ण ने गीता में कहा है कि जिसका जन्म हुआ है उसका मरण अवश्य होगा। इसी तरह से जिसका मरण होता है उसका जन्म भी अवश्य होता है। इसलिए व्यक्ति का जो स्वभाव होता है वह उसके पिछले जन्म के संस्कारों के साथ जुड़ा होता है और यह स्वभाव सभी का अपना अलग-अलग होता है। यह स्वभाव जब कुत्सित विचारों से प्रभावित होता है, तब चाहे कोई बालक हो, युवक हो, प्रौढ़ हो अथवा वृद्ध हो ऐसा व्यवहार करने लगता है जो न उसके स्वयं के लिए कल्याणकारी होता है और न उसके परिवार और समाज के लिए ही कल्याणकर होता है। ऐसा बालक उद्दंड, क्रोधी और सभी की उपेक्षा करने वाला होता है और वह किसी की भी उपेक्षा करने में संकोच नहीं करता। फिर चाहे उसके माता-पिता ही क्यों न हों। यही उसकी कुरुचि होती है। इसी तरह से जो कुरुचि वृत्ति वाला युवक होता है वह शिक्षा-प्राप्ति के प्रति नितांत रूप से लापरवाह होता और उसके मन में किसी के प्रति भी आदरभाव नहीं होता। फिर चाहे उसे शिक्षा देने वाले उसके गुरुजन ही क्यों न हों। यही नहीं ऐसे स्वभाव वाला युवक अपने सहपाठियों के प्रति निर्मम और युवतियों का अपमान करने में गौरव का अनुभव करने वाला होता है। जब कोई कुरुचिपूर्ण विचारों वाला होता है तो वह अपने धन, विद्या, व्यवसाय आदि को लेकर इतना अहंकारी होता है कि वह किसी को भी अपने बराबर नहीं समझता। सभी को अपने से छोटा मान कर सभी के साथ तिरस्कार भरा व्यवहार करता है। अपने परिवारजनों के प्रति उसके मन में अपनत्व का भाव नहीं होता। पड़ोसियों के सुख-दुख में कभी सम्मिलित नहीं होता और सबसे स्वयं को अधिक बुद्धिमान मानकर ऐंठा-ऐंठा सा बना रहता है। कभी-कभी तो सुबुद्ध कहे जाने वाले और कथित शिक्षित भी अपने ज्ञान का घमंड लेकर दूसरों से तर्क-कुतर्क करता है और दूसरे को नीचा दिखाकर गौरवान्वित होता है।

संपादकीय

सुप्रीम कोर्ट की सख्त टिप्पणी

तिरुपति में लड्डू विवाद पर सर्वोच्च न्यायालय ने सख्त नसीहत दी है। राजनेताओं से कहा है कि कम से कम भगवान को राजनीति से दूर रखें, यह लोगों की आस्था का मामला है। अदालत ने कहा कि जब आप एक संवैधानिक पद पर होते हैं, तो आपसे उम्मीद की जाती है कि देवताओं को राजनीति से दूर रखेंगे। जब इस मामले में जांच चल ही रही थी तो फिर इसे मीडिया में उछालने का क्या मतलब था। दरअसल, अभी तक

यह स्पष्ट नहीं है कि तिरुपति बालाजी मंदिर में प्रसाद के रूप में बनने वाले लड्डुओं में मिलावटी घी का इस्तेमाल होता था। शीर्ष अदालत ने भी सवाल किया कि इस बात का सबूत कहां है कि यही वह घी है, जिसका इस्तेमाल लडडू बनाने में हुआ। दरअसल, मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू ने एक सार्वजनिक सभा में कहा था कि पिछली सरकार के समय तिरुपति बालाजी के प्रसाद में पशु चर्बी का उपयोग होता था। उसके बाद इस मामले ने खासा तूल पकड़ लिया। हालांकि इस आरोप के जवाब में पूर्व मुख्यमंत्री जगनमोहन रेड्डी ने कहा कि चंद्रबाबू नायडू अपने राजनीतिक लाभ के लिए भगवान का भी इस्तेमाल कर सकते हैं। मगर तब तक इसे लेकर विवाद काफी बढ़ गया। इस बात को लेकर भी चर्चा ने जोर पकड़ लिया कि तिरुपति में घी की आपूर्ति में किस तरह घपला किया गया होगा। स्वाभाविक ही इस विवाद का असर लोगों की आस्था पर पड़ा है। तमाम विपक्षी दल इस बात की नसीहत देते देखे गए कि मंदिरों की पवित्रता के साथ किसी भी तरह का खिलवाड़ नहीं होना चाहिए। मगर चंद्रबाबू नायडू की राजनीतिक मंशा उस समय फिर जाहिर हो गई, जब जगनमोहन रेड्डी के तिरुपति मंदिर में प्रवेश को लेकर अड़चन पैदा कर दी गई। जगनमोहन रेड्डी तिरुपति मंदिर जाना चाहते थे, पर उनसे कहा गया कि वे पहले प्रपत्र भर कर अपना धर्म जाहिर करें। इस पर रेड्डी ने अपनी तिरुपति यात्रा रद्द कर दी। इस तरह तिरुपति प्रसाद का मामला आंध्र प्रदेश के दो दलों की राजनीतिक लड़ाई बन गई। आरोप से पहले उसके पुख्ता आधार सामने आने का इंतजार नहीं किया गया और राजनीतिक हित साधने की हड़बड़ी में आस्था और भगवान को मोहरा बनाने की कोशिश की गई। इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता कि मंदिरों की पवित्रता किसी भी रूप में भंग नहीं होनी चाहिए। ये लोगों की आस्था के स्थान होते हैं। मगर यह बात राजनीतिक दलों को ज्यादा समझने की है कि देवताओं का इस्तेमाल वे राजनीति के लिए न करें। पिछले कुछ वर्षों में यह प्रवृत्ति कुछ अधिक बढ़ी है कि चुनाव के समय राजनेता मंदिरों में दर्शन-पूजन के लिए जाते और फिर उसका समाचार प्रसारित कर अपनी आस्था को आमजन की आस्था से जोड़ने का प्रयास करते हैं। उसमें कई मौकों पर किसी राजनेता के प्रवेश से मंदिरों के अपवित्र होने का मुद्दा भी उठाया जाता है। लोगों की आस्था को भुनाने का खेल जिस तरह राजनीति में देखा जाने लगा है, उसी का नतीजा है कि तिरुपति बालाजी के प्रसाद पर सवाल उठा कर जनाधार बढ़ाने की कोशिश की गई। -**राकेश जैन गोदिका**

परिदृश्य

साइबर ठगी

सीबीआइ ने विदेशी नागरिकों और विशेष रूप से अमेरिकी नागरिकों के साथ साइबर ठगी करने वालों का भंडाफोड़ करके 26 लोगों की जो गिरफ्तारी की, वह यही बताती है कि भारत में साइबर ठग किस बड़े पैमाने पर सक्रिय हैं। ऑपरेशन चक्र के तहत सीबीआई ने साइबर ठगों के खिलाफ 32 शहरों में छापेमारी की। इनमें से चार शहरों-पुणे, हैदराबाद अहमदाबाद और विशाखापत्तनम में साइबर ठग लोगों को ठगने के लिए चार अवैध कॉल सेंटर चला रहे थे। ऐसे कॉल सेंटर पहली बार उजागर नहीं हुए। इसके पहले भी कई शहरों और विशेष रूप से दिल्ली-एनसीआर में ऐसे ही कॉल सेंटर चलते पाए गए हैं। इनमें से कुछ विदेशी नागरिकों को ठगते थे तो कुछ भारतीय नागरिकों को। कोई नहीं जानता कि पुलिस और अन्य एजेंसियों की आंखों में धूल झोंककर देश के विभिन्न शहरों में कितने अवैध कॉल सेंटर अभी भी लोगों के साथ ठगी करने में लगे होंगे। अपने देश में मोबाइल फोन के जरिये लोगों को ठगने वाले न जाने कितने गिरोह जगह-जगह सक्रिय हैं। पहले वे देश के कुछ ही हिस्सों में सक्रिय थे, लेकिन अब उनकी सक्रियता हर कहीं देखी जा सकती है। साइबर ठग कभी लोगों को लालच देकर ठगते हैं, कभी धमकाकर और कभी झूठी एवं भरमाने वाली सूचनाएं देकर। पिछले कुछ समय से तो वे नकली बैंक, पुलिस, सीबीआई और कस्टम अधिकारी बनकर भी लोगों को ठगने का काम कर रहे हैं। यह किसी से छिपा नहीं कि लोगों को डिजिटल अरेस्ट कर ठगने के मामले थमने का नाम नहीं ले रहे हैं। निःसंदेह लोग अज्ञानता और जानकारी के अभाव में भी ठगी का शिकार हो रहे हैं, लेकिन एक कारण यह भी है कि साइबर ठग बेलगाम और दुस्साहसी हो गए हैं। कभी-कभी तो ऐसा लगता है कि उन्हें पुलिस और सुरक्षा एजेंसियों का कहीं कोई भय ही नहीं। जैसे-जैसे मोबाइल का उपयोग बढ़ता जा

रहा है और ऑनलाइन लेन-देन और खरीदारी का चलन बढ़ रहा है, वैसे-वैसे साइबर ठगों को अपनी गतिविधियां बढ़ाने के मौके मिल रहे हैं। समस्या केवल यह नहीं कि साइबर ठगी के खिलाफ पर्याप्त नियम-कानून नहीं। समस्या यह भी है कि पुलिस और अन्य एजेंसियां साइबर ठगों के दुस्साहस का दमन कर पाने में नाकाम हैं। कई बार तो वे ठगों का पता भी नहीं लगा पातीं। इस कारण ठगी के शिकार तमाम लोगों का पैसा उन्हें वापस नहीं मिल पाता। साइबर ठगी पर इसलिए भी नियंत्रण नहीं लग पा रहा है, क्योंकि साइबर ठग फर्जी नाम से सिम लेने में सफल रहते हैं। समझना कठिन है कि ऐसी व्यवस्था क्यों नहीं की जा पा रही, जिससे कोई फर्जी नाम से सिम न लेने पाए। निश्चित रूप से यह भी चिंता का विषय है कि पाकिस्तानी नंबरों से वाट्सएप कॉल करके लोगों को ठगा जा रहा है। यह ठीक नहीं कि डिजिटल होते भारत में साइबर ठग बेलगाम होते जाएं।

एआरएल इंफ्राटेक लिमिटेड, जयपुर ने अपने डीलर्स की दो दिवसीय कॉन्फ्रेंस मुम्बई में आयोजित की

जयपुर. शाबाश इंडिया

अंकुर ब्रांड सीमेंट चादरों की निमार्ता एवं बिल्डिंग मैटेरियल उत्पादन के क्षेत्र में उत्तर भारत की अग्रणी कंपनी एआरएल इंफ्राटेक लिमिटेड, जयपुर ने अपने डीलर्स की दो दिवसीय कॉन्फ्रेंस का सालाना आयोजन मुंबई में कोर्डेलिया क्रूज पर किया जिसमें 7 राज्यों के करीब 210 से अधिक डीलर दंपत्तियों ने इस कॉन्फ्रेंस में शिरकत की। एआरएल के डायरेक्टर पदम जैन ने बताया कि इस वर्ष कंपनी ने 31 अलग अलग कैटेगरी में डीलर्स को अवार्ड प्रदान किए गए जिसमें पी.एल. बिल्डकेयर कॉरपोरेशन, गजरौला उत्तर प्रदेश के आकाश गर्ग को उनकी धर्मपत्नी के साथ यंग लीडर ऑफ द ईयर अवार्ड से सम्मानित किया गया। कंपनी के प्रबंध निदेशक प्रमोद जैन ने कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए कहा कि भारत के सात राज्यों में एआरएल के करीब 1500 से अधिक डिस्ट्रीब्यूटर्स एंड डीलर्स का विस्तृत नेटवर्क हैं जो कंपनी की सफलता की आधारशिला हैं। अनमोल रिश्ते थीम पर इस वर्ष हमारी कंपनी ने यह कॉन्फ्रेंस समंदर के बीच क्रूज पर आयोजित की जिसमें डीलर्स ने दो रात के लिए क्रूज का आनंद लिया।

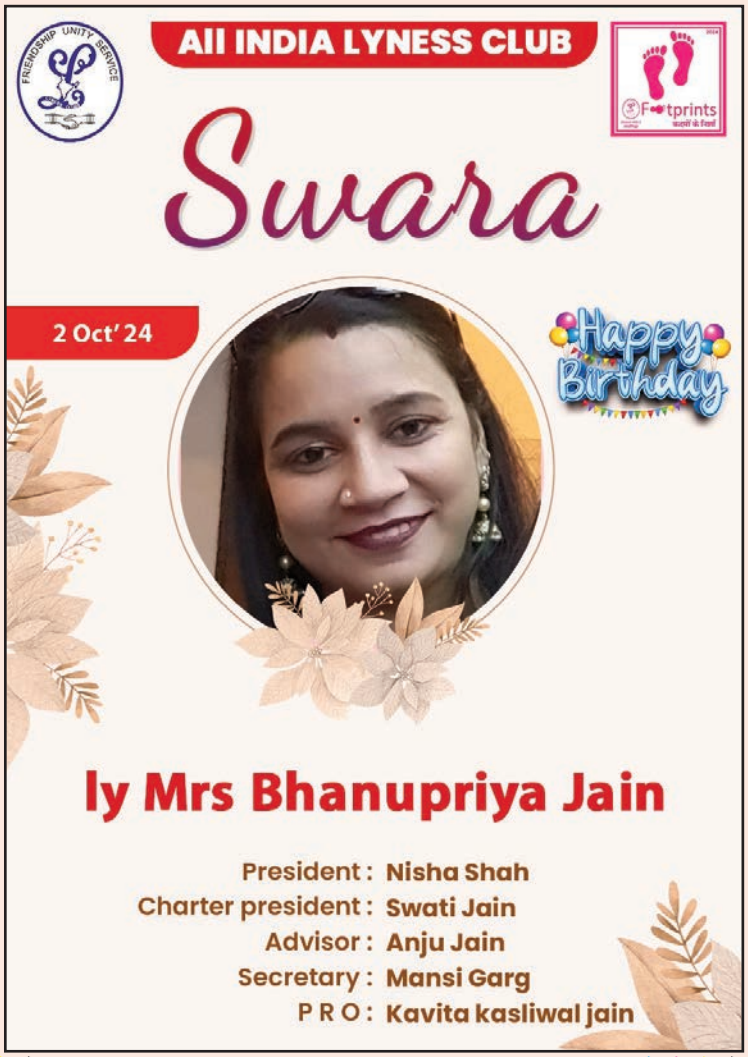

स्वैच्छिक रक्तदान के प्रति युवा पीढ़ी की क्रिएटिविटी स्वागत योग्यः डॉ प्रेमचंद बैरवा

राष्ट्रीय रक्तदान दिवस पर पोस्टर प्रतियोगिता से स्वैच्छिक रक्तदान का संदेश देने वाले विद्यार्थियों को किया सम्मानित। साधु वासवानी स्कूल के छात्र साहिल तुण्डलायत को मिला 51 हजार का प्रथम पुरस्कार

जयपुर. शाबाश इंडिया

राष्ट्रीय रक्तदान दिवस के अवसर पर रक्तदान परिसंघ एवं स्वास्थ्य कल्याण ब्लड बैंक के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता में स्कूली बच्चों द्वारा अपनी परिकल्पना के माध्यम से दिखाई गई क्रिएटिविटी वास्तव में स्वागत योग्य है। यह बात कार्यक्रम के मुख्य अतिथि राजस्थान के उपमुख्यमंत्री डॉ प्रेमचंद बैरवा ने पुरस्कार वितरण समारोह को सम्बोधित करते हुए कही। उन्होंने कहा कि ड्राइंग सीट्स पर रंगों के माध्यम से अपनी परिकल्पना के आधार बच्चों ने ना केवल युवा पीढ़ी को बल्कि समस्त समाज को स्वैच्छिक रक्तदान से जुडने और इससे होने वाले लाभ के साथ-साथ लाभार्थियों के कल्याण को उद्दत किया है। जयपुर शहर सांसद श्रीमती मंजू शर्मा ने कहा कि स्वैच्छिक रक्तदान जैसे पीड़ित मानवता की सेवा के कार्य में युवा पीढ़ी की भागीदारी बहुत ही आवश्यक है, क्योंकि यही पीढ़ी भविष्य के रक्तदाता होंगे। उन्होंने आयोजकों का आभार जताया कि उन्होंने इस नई पीढ़ी को समाज सेवा के इस पवित्र कार्य से जोड़ने का बीड़ा उठाया। एम्स जोधपुर के अध्यक्ष एवं स्वास्थ्य कल्याण ब्लड बैंक के निदेशक डॉ. एस एस अग्रवाल ने अपने उद्बोधन में कहा कि स्वैच्छिक रक्तदान को बढ़ावा देने और नई पीढ़ी में जागरूकता लाने के उद्देश्य से पोस्टर कंपटीशन प्रतियोगिता में करीब 7 हजार बच्चों ने पोस्टर बनाकर अपनी कल्पना की उडान भरते हुए बेहतरीन स्लोगन्स के साथ अपने पोस्टरों के माध्यम से आमजन को रक्तदान का संदेश दिया जो अत्यन्त सराहनीय कदम है। राजस्थान हॉस्पिटल के वाइस प्रेसिडेंट डॉ. सर्वेश अग्रवाल ने कहा कि पोस्टर प्रतियोगिता में करीब 7 हजार प्रविष्टियां आई जिनमें से जूरी के चेयरमैन प्रसिद्ध आर्किटेक्ट अनूप भरतरिया, डिजायनर आंचल गुप्ता तथा आर्टिस्ट उर्वशी सेठी ने अत्यन्त गोपनीयता बरतते हुए प्रतिभाशाली बच्चों की कृतियों को पुरस्कार के लिए चयन किया।

प्रतिभाशाली बच्चे जिन्हें मिले पुरस्कार

इस प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पर रहने वाले साधु वासवानी स्कूल के विद्यार्थी साहिल तुण्डलायत को पुरस्कार स्वरूप 51 हजार रुपए का नगद पुरस्कार और प्रशस्ति पत्र दिया गया। इसी प्रकार दूसरे स्थान पर प्रेरिका गुप्ता नीरजा मोदी स्कूल और तीसरे स्थान पर सेंट जेवियर सीनियर सेकेंडरी स्कूल की दिव्यांशा रहीं, जिन्हें क्रमशः 21 हजार और 11 हजार रुपये का नकद पुरस्कार दिया गया। वही नीरजा मोदी स्कूल की कीर्तिका सोनी, इंडिया ओवरसीज स्कूल की क्रिति शर्मा, दिल्ली पब्लिक स्कूल की पावनी कुमार, माहेश्वरी पब्लिक स्कूल तिलक नगर के साहिल बैरवा, एस जे पब्लिक स्कूल की तनुश्री करौलिया, सीलिंग मॉडर्न हाई स्कूल की निरोशा गुप्ता, राजकीय सीनियर सेकेंडरी स्कूल गांधीनगर की निधि सेन, धारव हाई स्कूल के यश भिचार, वॉरेन एकेडमी स्कूल की तितिक्षा गुप्ता, महाराजा सवाई मानसिंह विद्यालय सिया गर्ग और भारतीय विद्या भवन विद्याश्रम ओटीएस की प्रिशा वर्मा को 5100-5100 रुपए के सांत्वना पुरस्कार दिए गए। कार्यक्रम में पोस्टर प्रतियोगिता में भाग लेने वाले समस्त स्कूल प्रबंधन को भी प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। रक्तदान परिसंघ के सचिव संजय ख्वाड ने कार्यक्रम में उपस्थित गणमान्यजनों स्कूल प्रतिनिधियों और बच्चों का सकारात्मक भाव से स्वैच्छिक रक्तदान की मुहिम को बढावा देने के लिए उनकी हौसला अफजाई की। रक्तदान परिसंघ के अध्यक्ष सुनील मित्तल ने समस्त अतिथियों, आयोजन समिति, रक्तदान परिसंघ और स्वास्थ्य कल्याण ब्लड बैंक के पदाधिकारियों, स्कूल प्रबंधन से जुड़े गणमान्य जनों के साथ पोस्टर कंपटीशन में भाग लेने वाले विद्यार्थियों का आभार जताया और धन्यवाद ज्ञापित किया। उन्होंने कहा कि आप सभी के इसी प्रकार के सक्रिय सहयोग से हम शत प्रतिशत स्वैच्छिक रक्तदान के लक्ष्य को हासिल करके रहेंगे।

अंतरराष्ट्रीय वृद्धदिवस पर वृद्धजनों का किया सम्मान

इनर व्हील क्लब कोटा नॉर्थ ने मेडिकल केम्प लगाया और किया सम्मानित

आजाद शेरवानी. शाबाश इंडिया

कोटा। इनरव्हील क्लब कोटा नॉर्थ द्वारा अंतर्राष्ट्रीय वृद्ध दिवस पर रंगबाडी में संचालित भारतमाता सेवा समिति के वृद्धाश्रम में वृद्धजनों का सम्मान किया गया। क्लब अध्यक्ष सरिता भूटानी एवं सेक्रेटरी डॉ विजेता गुप्ता ने बताया कि 1अक्टूबर अंतरराष्ट्रीय वृद्ध दिवस पर इनरव्हील क्लब कोटा नॉर्थ द्वारा वृद्धाश्रम के वृद्धजनों के लिये स्वास्थ्य जांच शिविर लगाया और शॉल एवम माला पहनाकर सम्मान किया गया। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग की संयुक्त निदेशक सविता कृष्ण एवं विशिष्ट अतिथि जिला समाज कल्याण आधिकारी शुभम धाकड़ रहे। मुख्य अतिथि ने अपने उद्बोधन में क्लब के सेवा कार्यों की सराहना की। स्वास्थ्य जांच के लिए बालाजी मंदिर में कैंप लगाया जिसमे डॉ निधि बरथुनिया, डॉ सुशीला बरथुनियां, डॉ विजेता गुप्ता एवं डॉ वीनू बवेजा (होम्योपैथी) ने सभी का स्वास्थ्य परीक्षण किया और निशुल्क दवाइयां भी दी गई। कैंप समाप्ति पर सभी को लजीज भोजन करवाया एवं भजन गाए । सम्मान समारोह एवं कैंप में सुशीला मित्तल, शशि सक्सेना, सरोज गोयनका,शशि झवर, दीपिका चौहान, गुरप्रीत आनंद, रजनी अरोड़ा, राजबाला गुप्ता, नीता सिंह गौड, सरोज गुप्ता, रजनी गोयल, संतोष उपाध्याय, संगीता विजय, बीना त्यागी, प्रमिला पारीक, रूचि गुप्ता, कौशल्या विजय, रजनी अरोड़ा इत्यादि का सहयोग रहा।

बंधन ग्रुप की 2 दिवसीय प्रदर्शनी कल 3 से यूनिक सांघी अपार्टमेन्ट महावीर नगर में

जयपुर. शाबाश इंडिया। बंधन ग्रुप की 2 दिवसीय प्रदर्शनी राखी व लाइफ स्टाइल प्रदर्शनी से दिनांक 3 व 4 अक्टूबर को महावीर नगर स्थित यूनिक सांघी अपार्टमेंट में आयोजित की जाएगी। प्रदर्शनी का शुभारम्भ जयपुर की लोकप्रिय साँसद श्रीमति मंजू शर्मा के दीप प्रज्वलित से होगा । बंधन ग्रुप और आयोजक श्रीमती सेफाली जैन, श्रीमती आकांशा जैन श्रीमती चांदनी जैन ने बताया इस प्रदर्शनी का मकसद छोटे छोटे उद्योग को एक मंच प्रदान करना हैं । बंधन ग्रुप की जुलाई और अगस्त के बाद अक्टूबर महीने की पहली, प्रदर्शनी होगी। एक छत के नीचे मिलेगा। इस प्रदर्शनी में दीपावली में गृह सज्जा का सामान, उपहार देने हेतु वस्तुएं, बेडशीट ,लेडीज शूट, हाथ से बनी वस्तुएं, आभूषण आदि शामिल हैं। प्रदर्शनी के मुख्य प्रदर्शक अलग-अलग जगहों से आ रहे हैं। पूर्व में भी बन्धन गुप द्वारा तीन जगह फोर्ट रेस्तरां,मालवीय नगर,और जय क्लब पर सफलता पूर्वक आयोजित की जा चुकी प्रदर्शनी का समय सुबह 11 से शाम 8 बजे तक रहेगा। चक्रेश जैन ने बताया कि आगामी दीपावली के त्यौहार के उपलक्ष में महिलाओं के समूह द्वारा महिलाओं के उत्थान हेतु एक प्रदर्शनी का आयोजन दिनांक 03-04 अक्टूबर 2024 को यूनिक सांघी महावीर नगर, टोंक रोड ,जयपुर पर रखा गया है ।प्रदर्शनी के पोस्टर का जयपुर की लोकप्रिय सांसद श्रीमती मंजू शर्मा द्वारा पोस्टर का विमोचन ऑगेनाईजर आकांक्षा जैन और मेघा जैन ने कराया। ग्रुप से जुड़े नरेंद्र जैन ने बताया सांसद महोदया ने प्रदर्शनी में आकर महिलाओं का उत्साह वर्धन करने का भी आश्वासन दिया है कउक्त प्रदर्शनी में सभी प्रकार की वस्तुओ की स्टॉल रहेगी।

राजस्थान जैन युवा महासभा जयपुर के तत्वावधान में

गांधी दिवस के उपलक्ष पर अहिंसा साइकिल रैली

जयपुर से जहाजपुर 180 किलोमीटर जाएगी

जयपुर. शाबाश इंडिया। राजस्थान जैन युवा महासभा जयपुर के तत्वावधान में गांधी जयंती के अवसर पर जयपुर से जहाजपुर की अहिंसा साईकिल रैली का आयोजन किया जाएगा। प्रदेश अध्यक्ष प्रदीप जैन एवं प्रदेश महामंत्री विनोद जैन कोटखावदा ने बताया कि बुधवार 02 अक्टूबर को प्रातः 4.30 बजे जयपुर सी-स्कीम स्थित अहिंसा सर्किल से रवाना होगी। युवा महासभा के जिला अध्यक्ष संजय पाण्डया, जिला महामंत्री सुभाष बज एवं झोटवाडा सम्भाग अध्यक्ष तरुण जैन ने बताया कि श्यामनगर निवासी धर्मेन्द्र जैन के नेतृत्व में अहिंसा साईकिल रैली अहिंसा का संदेश लेकर ,अहिंसा सर्किल से शुरू होकर सांगानेर, फागी, डिग्गी, मालपुरा होते हुए जहाजपुर जाएगी। राजस्थान जैन युवा महासभा जयपुर के तत्वावधान में हर वर्ष 2 अक्टूबर गांधी जयंती के दिन इस अहिंसा साइकिल रैली का आयोजन किया जाता है।रैली के मुख्य संयोजक धर्मेंद्र जैन ने बताया कि करीब 51 लोगो का ग्रुप अहिंसा और स्वस्थता का संदेश देते हुए ये साईकिल यात्रा जयपुर के अहिंसा सर्किल से शुरू होकर सायंकाल 5.00 बजे भीलवाड़ा जिले के दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र स्वस्ति धाम जहाजपुर पहुंचेगी। साईकिल रैली जहाजपुर पहुंचकर जैन धर्म के 20 वें तीर्थंकर भगवान मुनिसुव्रत नाथ के दर्शन लाभ प्राप्त करते हुए क्षेत्र पर प्रवासरत गणिनी आर्यिका स्वस्ति भूषण माता जी से आशीर्वाद प्राप्त करेगी। जिला अध्यक्ष संजय पाण्डया एवं जिला महामंत्री सुभाष बज के मुताबिक साईकिल रैली के यात्री उसी दिन रात्रि को वापस जयपुर लौटेंगे।

विश्व रक्त दान दिवस के अवसर पर महाविद्यालय छात्राओं की रक्तदान शिविर में सहभागिता

अमित गोधा. शाबाश इंडिया

ब्यावर। श्री वर्द्धमान शिक्षण समिति द्वारा संचालित श्री वर्द्धमान कन्या पी.जी. महाविद्यालय में राष्ट्रीय सेवा योजना एवं रेड रिबन क्लब के संयुक्त तत्वावधान में आयुक्तालय कॉलेज शिक्षा निदेशालय के निर्देशानुसार ''स्वच्छता ही सेवा'' अभियान के तहत वैचारिक स्वच्छता के लिए ध्यान व योग क्रिया का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में महाविद्यालय प्राचार्य डॉ. आर.सी.लोढ़ा ने छात्राओं को बताया कि ''स्वच्छता ही सेवा'' अभियान का लक्ष्य केवल आस-पास के वातावरण को ही शुद्ध करना नही अपितु नागरिको में स्वच्छता संबंधी आदतें विकसित करना है जैन दर्शन व्याख्याता सुनीता जैन ने बताया कि स्वस्थ जीवन के लिए शरीर के आवश्यक अंगो के साथ विचारों की स्वच्छता के लिए विभिन्न योगासन जैसे - सुखासन, वज्रासन, पदमासन, आदि आसन, यौगिक क्रियाएं व ध्यान किये गये। विश्व रक्त दान दिवस के अवसर पर महाविद्यालय की स्वयंसेविकाओं के द्वारा अमृतकौर राजकीय चिकित्सालय में रक्तदान शिविर में भाग लिया।

बगवाडा जैन मंदिर का वार्षिक मेला सम्पन्न

जयपुर. शाबाश इंडिया। श्री दिगम्बर जैन मंदिरजी बगवाडा (आमेर) का मेला सम्पन्न हुआ। यह गांव आमेर तहसील में चंदवाजी बाईपास पर दौलतपुरा से 2 कि.मी.,जयपुर से 40 कि.मी.दूर है। यह अतिप्राचीन करीब 500 वर्ष पुराना है,जिसमें मूलनायक भगवान श्री अरहनाथ जी की अतिमनोज्ञ प्रतिमा है। इस प्रकार कुल 5 प्रतिमायें मंदिर जी में सुशोभित है,जिसका फूलचंद, मदनलाल ,चांदमल बडज्याता के पुत्र-पोत्रो डॉ. एम.एल जैन मणि,डां एस एल जैन पंकज, डां मनीष जैन, डां सुप्रियजैन, रतन लाल जैन-राकेश जैन, महावीर जैन, नीलकमल, अशोक जैन, विनोद जैन,नरेश जैन व राजेश जैन व उनके परिवार के सदस्य व पुत्रियां तथा सुरेश व सुरेन्द्र बज परिवार द्वारा यह मेला भाद्रपद माह के बाद भराया जाता है जिसमें आसपास के गांवों व जयपुर से श्रेष्ठीजन आते हैं व बढचढ़कर भाग लेते हैं। इस मेले की व्यवस्था राकेश व पप्पू नीलकमल व सुरेन्द्र व सुरेश बज ने संभाल रखी है। प्रातःसबसे पहले श्री जी का अभिषेक व शांतिधारा की, उसके पश्चात सभी सदस्यों ने शान्तिविधान किया। भगवान की माल बोली के माध्यम से अशोक कुमार, अंजना देवी, अतुल कुमार, सोनम देवी परिवार ने ली। परिवार के वरिष्ठ सदस्य डां.एम.एल जैन मणि ने इन सबका स्वागत कर माल पहनाई। अन्त में सामुहिक गोठ हुई व बडज्याता परिवार ने सबका आभार व्यक्त किया।

शहीद भगत सिंह के जन्म दिवस के उपलक्ष्य में मैराथन दौड़ का आयोजन

रमेश भार्गव. शाबाश इंडिया

ऐलनाबाद। शहीद भगत सिंह के जन्म दिवस के उपलक्ष में शहीद भगत सिंह ट्रस्ट मिठनपुरा द्वारा 5 किलोमीटर मैराथन दौड़ का आयोजन किया गया, जिसमें पंजाब, हरियाणा व राजस्थान के लड़के व लड़कियों ने पूरे उत्साह से भाग दिया। यह मैराथन दौड़ शयोपत राम गोदारा पेट्रोल पंप से शुरू होकर नोहर रोड स्थित अजीज प्रताप सिंह खोसा स्टेडियम में पहुंची। इस मैराथन दौड़ के मुकाबले में लड़कियों में पूजा धौलपालिया प्रथम मुक्ता दूसरे व पूनम सोलंकी मिठनपुरा तीसरे स्थान पर रही। वहीं लड़कों में मुन्ना सिरसा प्रथम व संदीप कुमार दूसरे स्थान पर रहे। सभी विजेताओं को नगद राशि व ट्रॉफी देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर अजीज प्रताप सिंह खोसा फाउंडेशन के अध्यक्ष अमरपाल सिंह खोसा ने सभी प्रतिभागियों को नशे से दूर रहकर खेलों में चढ़कर भाग लेने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि देखने में आ रहा है कि आज ज्यादा युवा नशे के आदी होकर अपना जीवन बर्बाद कर रहे हैं जिससे जहां उनके परिवार को आर्थिक परेशानियों का सामना करना पड़ता है वही वह खुद भी मानसिक व शारीरिक तौर पर बीमारियों का शिकार हो जाते है। अगर युवा शुरू से ही खेलों के साथ जुड़कर अपना जीवन खेलों को समर्पित करें तो सामाजिक बुराइयों से बचा जा सकता है। उन्होंने सभी विजेताओं को बधाई देते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की। इस अवसर पर नगर पालिका अध्यक्ष राम सिंह सोलंकी, सुमित बेनीवाल, कोच सोमपत सिंह, मिठनपुरा के सरपंचअजय सोलंकी, शहीद भगत सिंह ट्रस्ट के डायरेक्टर कुलदीप मुंदलिया सहित क्षेत्र के अनेक गणमान्य लोग उपस्थित थे।

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर 'शाबाश इंडिया' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com
weeklyshabaas@gmail.com

अन्तर्मना आचार्य प्रसन्न सागरजी महाराज के प्रवचन से...

कुलचाराम, हैदराबाद. शाबाश इंडिया

एक महिला ने अपने पति का मोबाइल चैक किया। उसमें कुछ अलग अलग नाम से नंबर सेव किये हुए थे जैसे -

'दिल की धड़कन'

'होठों की लाली'
'दिल की बिमारी'
'आंखो का इलाज'

पत्नी ने अपनी समझदारी से अपना ही नंबर डायल कर दिया, उसमें नाम आया - ''ला-इलाज''। जिसकी शादी हो गई, वह छोड़ने की सोचता है, और जिसकी शादी नहीं हुई, वह करने की सोचता है। विवाहित लोग सोचते हैं कि अविवाहित लोग सुखी है, और अविवाहित लोग सोचते हैं कि विवाहित लोग सुखी है। मेरी नजर में सुखी दोनों ही नहीं हैं-सुखी वह है जिसे एक दूसरे से कोई शिकायत नहीं है। सुखी वह है जिसे एक दूसरे के प्रति शक सन्देह [डाउट] नहीं है। सुखी वह है जो एक दूसरे की भावनाओं का सम्मान करते हैं। सुखी वह है जो एक दूसरे का ध्यान रखते हैं। सुखी वह है जो एक दूसरे के दोस्त, यारों और पड़ोसियों से बुराई नहीं करते। अन्यथा आज का जीवन ऐसा है जैसे-अमर वेल-अमर वेल जिस वृक्ष पर चढ़ती है, उसे पूरा चूस लेती है। वृक्ष ऊपर से हरा भरा दिखता है, लेकिन भीतर से खोखला हो गया। सुखी विवाहित जीवन का राज -- खुद को शेर समझो और बीवी को - शेरावाली माता।

-नरेंद्र अजमेरा, पियुष कासलीवाल औरंगाबाद।

रोटरी क्लब जयपुर बापूनगर का शपथ ग्रहण समारोह संपन्न

जयपुर. शाबाश इंडिया

रोटरी इंटरनेशनल डिस्ट्रिक्ट 3056 के रोटरी क्लब जयपुर बापूनगर का शपथ ग्रहण समारोह होटल बेला कासा टोंक रोड पर आयोजित किया गया। क्लब प्रेसिडेंट एडवोकेट अशोक गोयल ने बताया कि समारोह के मुख्य अतिथि रोटरी डिस्ट्रिक्ट 3056 के चीफ मेंटोर एवं पूर्व डिस्ट्रिक्ट गवर्नर अशोक गुप्ता थे' सचिव बसंत जैन ने बताया कि डिस्ट्रिक्ट गवर्नर राखी गुप्ता इंस्टॉलेशन ऑफिसर थी उन्होंने प्रेसिडेंट तथा सचिव को तथा पूर्व डिस्ट्रिक्ट गवर्नर अजय काला इंडक्शन ऑफिसर ने नए सदस्यों को एवं डिस्ट्रिक्ट गवर्नर इलेक्ट प्रज्ञा मेहता ने बोर्ड आफ डायरेक्टर्स को शपथ दिलाई। क्लब प्रेसिडेंट एडवोकेट अशोक गोयल ने रोटरी इंटरनेशनल फंड में मेजर डोनर के रूप में 10000 यूएस डॉलर देने की घोषणा करने पर डिस्ट्रिक्ट गवर्नर राखी गुप्ता एवं डीआरएफसी अजय काला ने उन्हे बधाई दी साथ ही क्लब में 22 नए सदस्यों को जोड़ने पर प्रशंसा की। डिस्ट्रिक्ट गवर्नर राखी गुप्ता ने बताया कि रोटरी जरूरतमंद की सेवा तथा फैलोशिप का एक अच्छा माध्यम है इस संबंध में रोटरी क्लब जयपुर बापू नगर सेवा क्षेत्र में बहुत अग्रणी है। इस अवसर पर असिस्टेंट गवर्नर मोहनीस मेहरा तथा जोन कोऑर्डिनेटर सुधीर कुमार गुप्ता भी उपस्थित थे। अंत में सचिव बसंत जैन ने सभी पधारे हुए अतिथियों का आभार प्रकट किया।

करूणा की मूर्ति थे गांधी जी

जब गांधी जी दक्षिण अफ्रीका की जेल में थे तब वो बीमार हो गये। तब उनकी देख-रेख व काम करने के लिए एक नीग्रो कैदी को रखा गया जो हिन्दुस्तानी भाषा नहीं जानता था। जेल अधिकारी यह मानते थे कि हिन्दू और मुसलमान गांधी जी के प्रति भक्ति भाव रखते हैं। इसलिए उन्होंने ऐसे व्यक्ति को उनके पास रखा जो उनका भक्त नहीं हो सकता। वह गांधीजी को परेशान करना चाहते थे। एक दिन नीग्रो कैदी को बिच्छू ने काट लिया। वह पीड़ा से कराहता गांधी जी के पास पंहुचा। उसने इशारे से बताया कि मेरे हाथ में बिच्छू ने काट लिया है। गांधी जी करुणा भाव से बोले चिन्ता की कोई बात नहीं है। मैं अभी अच्छा किए देता हूं। यह कहकर गांधी जी ने घाव पर मुंह रख कर बिच्छू के डंक का विष चूसने लगे। गांधी जी के चूसने से जहर कम हो गया, उसी के साथ पीड़ा भी कम हो गई। कैदी को आराम मिला। वह गांधीजी का अनन्य भक्त हो गया। ऐसे करूणा की मूर्ति थे गांधी जी।

हीरा चन्द बैदः बी -175,मंगल मार्ग, बापू नगर, जयपुर
मोबाइल नं. 98281 64556

जेल में रहकर अपने को कैदी मत समझो, आपमें भी भगवान बनने की क्षमता है : मुनि साक्ष्य सागर महाराज

अलवर. शाबाश इंडिया

दिगम्बर जैनाचार्य विशुद्व सागर महाराज के सुशिष्य मुनि साक्ष्य सागर महाराज,मुनि योग्य सागर महाराज व मुनि निवृत्त सागर महाराज के आज स्थानीय केन्द्रीय कारागृह में प्रवचन हुए जिन्हें सुनकर कई बंदी भाव विभोर हो गये।इस अवसर पर मुनि साक्ष्य सागर महाराज ने कहा कि आज आप लोग कैदी के रूप में यहां जेल में हैं लेकिन आप अपनी शक्ति को नहीं पहचान पा रहे हैं कि आप में भी भगवान बनने की शक्ति है,आप भी परमात्मा बन सकते हो। उन्होंने कहा कि जीवन में किसी न किसी माध्यम से अपराध हो जाता है और अपराध का मूल कारण पाप है।हम हिंसा, झूंठ, चोरी, कुशील, परिग्रह आदि पापों के रास्ते से ही अपराध करते हैं और सजा भुगतने के लिये जेल में आना पड़ता है।हम अपने जीवन को ऐसा बनायें कि किसी ने हमसे किसी बात को लेकर विवाद किया तो हम उसे क्षमा से जीत सकते हैं, अपराध करने से नहीं।मुनि श्री ने कहा कि यहां जितने भी बंदी हैं उनमें अधिकतर युवा वर्ग है और अभी उनको लम्बा जीवन काटना है इसलिये अपने शेष जीवन को ऐसा जिओ कि

हमारा जीवन बदल जाये। मुनि श्री ने कहा कि अगर पाप किया है तो उसका प्रायश्चित कर लो क्योंकि प्रायश्चित पाप को खा जाता है। पाप आवेश में होता है लेकिन उसकी सजा हमें होशो हवास में झेलनी पड़ती है। मुनि श्री ने कहा कि हमें अब उस अवस्था को प्राप्त करना है जिसमें ना सुर हो,ना असुर हो,हमें परमात्मा की अवस्था को प्राप्त करना है और जेल से छूटकर जब घर जाओ तो घरवालों व निकटतम लोगों को लगे कि तुम जेल से नहीं किसी आश्रम से आये हो। जब कोई जन्म लेता है तो उसकी कोई जाति या धर्म नहीं होता लेकिन उसे पैदा होने के बाद उसे उसके कुल के अनुसार नाम और संज्ञा मिल जाती है और फिर जो बचपन में संस्कार मिलते हैं उसी के अनुसार अपना जीवन जीने लगता है। इसी तरह हम अपराधी बनकर पैदा नहीं हुए लेकिन दुनिया में आकर हम अच्छा-बुरा कर रहे हैं जिसके कारण ही हम अच्छे-बुरे बनते हैं लेकिन हमें अच्छा ही बनना है,बुराईयों से बचना है। मुनि श्री ने कहा कि जीवन को ऐसा संवारो कि हमें फिर जेल आने की नौबत ही नहीं आये। मुनि साक्ष्य सागर महाराज ने कहा कि सीता के जीवन को देखो,जो राम की पत्नी होते हुए भी राम ने ही एक साधारण व्यक्ति के कहने से उसे घर से निकाल कर वन में भेज दिया। उन्होंने कहा कि हम जब भी कभी संकट में अपने को समझें तो सीता के जीवन को याद कर लें। हनुमान के जीवन को भी याद कर लें। कार्यक्रम में मुनि निवृत्त सागर महाराज ने कहा कि अपराध का कारण क्रोध भी होता है। हमने क्रोध में आकर जो अपराध कर दिया उसकी सजा हमें यहां जेल में मिल रही है लेकिन उसके बाद मन में कभी भी ये भावना मत लाना कि जिसके कारण मैं जेल आया हूं,उसको जेल से छूटने के बाद देख लूंगा। अगर ऐसा किया तो फिर से मन में अपराध की भावना जागेगी और अपराध करने के बाद तो जीवन में फिर से क्लेश उत्पन्न होगा ही,इसलिये बदले की भावना से बचना भी अपराध से दूर होना है। मुनि श्री ने कहा कि अपराध तब भी होता है जब व्यक्ति के जीवन में पूर्व भव के पाप का उदय हो जाता है। उन्होंने कहा कि अब जो हो गया है उसे भूल जाओ और आगे के जीवन को सुधारने की तरफ बढ़ो ताकि जीवन सुखी हो। इससे पूर्व मुनि संघ का जेल प्रशासन की तरफ से जेलर सचिन कसाना ने श्री फल भेंटकर अभिवादन किया तथा राजेन्द्र कुमार जैन बड़तलिया एडवोकेट व राजेन्द्र प्रसाद जैन ने मुनि संघ को शास्त्र भेंट किया। कार्यक्रम में राजस्थान के पूर्व निःशक्तजन आयुक्त खिल्लीमल जैन व समाज सेवी बच्चू सिंह जैन ने भी अपने विचार रखे जबकि श्री दिगम्बर जैन अग्रवाल पंचायती मंदिर के अध्यक्ष रमेश जैन,समाज सेवी अशोक आहूजा ने कार्यक्रम का संचालन किया तथा जेलर सचिन कसाना का सम्मान भी किया। इस अवसर पर समाज सेवी अशोक आहूजा का भी सम्मान किया गया। मंगलाचरण की प्रस्तुति धर्मचन्द जैन बड़तलिया ने दी। कार्यक्रम में जैन समाज की तरफ से नवीन जैन,विनोद जैन,हरीश जैन,पुष्पेन्द्र जैन,अशोक जैन घी वाले,नीरज जैन,राकेश जैन सहित अनेक लोग मौजूद रहे।

उपाध्याय श्री 108 वृषभानंद जी महाराज संघ के पावन सानिध्य में

पार्श्वनाथ महामंडल विधान की कि गई पूजा अर्चना

जयपुर. शाबाश इंडिया

जयपुर के दादूदयाल नगर में श्री 1008 मनोकामना पार्श्वनाथ, दिग.जैन चैत्यालय, दादू दयाल नगर, जयपुर में उपाध्याय श्री 108 वृषभानंद जी मुनिराज के पावन सानिध्य में श्री दिगम्बर जैन मंदिर निर्माण समिति की अगुवाई में सकल जैन समाज के सहयोग से नवीन जिन मंदिर (नेमीनाथ जिनालय) निर्माण हेतु मनोकामना पार्श्वनाथ चैत्यालय से पार्श्वनाथ भगवान की जिन प्रतिमा को पालकी में विराजमान कर 351 सौभाग्यवती महिलाओं के द्वारा बैन्ड बाजों के साथ नाचते गाते हुए भव्य घट् यात्रा निकाली गई। कार्यक्रम में जैन महासभा के प्रतिनिधि राजाबाबू गोधा ने शिरकत करते हुए बताया कि श्री जी की उक्त भव्य शोभायात्रा दादूदयाल नगर में पानी की टंकी के पास सार्वजनिक गार्डन में पहुंची, जहां पर बोली के द्वारा श्रीजी की भव्य शांति धारा कर अष्टद्रव्यों से पूजा अर्चना करते हुए सुख समृद्धि की कामना की गई। कार्यक्रम में उपाध्याय वृषभानंद जी मुनिराज के पावन सानिध्य सकल जैन समाज के सहयोग से विधानाचार्य नमन भैया दिल्ली के दिशा निर्देश में विभिन्न मंत्रोच्चारणों के द्वारा, संगीत कार रिषभ जैन के साज बाज के द्वारा 501 इंद्र इंद्राणियों द्वारा पार्श्वनाथ महामंडल विधान की भक्ति भाव के साथ श्रीफलों के द्वारा पूजा अर्चना की गई,इसी कड़ी में समाज समिति के अध्यक्ष सी.एम.जैन एवं मंत्री विनीत जैन ने बताया कि कार्यक्रम में श्रीमती लक्ष्मी जैन, महेंद्र - मृदुला , भूपेंद्र -किरण, शेलेन्द्र -रागिनी जैन के परिवार जनों के द्वारा झंडारोहण रोहन करने के बाद कार्यक्रम की शुरूआत हुई । कार्यक्रम में सौधर्म इन्द्र अजित कुमार -प्रवीण कुमार, चित्र अनावरण पदम चंद जैन सेठी परिवार,दीप प्रज्जवलन लक्ष्मी देवी जैन, पाद प्रक्षालन अजित कुमार -प्रवीण कुमार जैन थाना गाजी, शास्त्र भेंट मनीष -अर्चना दोषी, भोजन पुण्यार्जक निर्मल कुमार, सुरेंद्रकुमार,अर्पित जैन सी .ए , पांड्या परिवार सहित सभी धर्मावलंबियों ने पुण्य लाभ प्राप्त किया। समाजसेवी बलबीर बडजात्या ने बताया कि कार्यक्रम में इससे पूर्व संध्या पर श्री मनोकामना पार्श्वनाथ चैताल्य पर 48 काव्य के भक्तामर पाठ का जाप किया गया। कार्यक्रम में राजस्थान सरकार के मुख्यमंत्री के प्रतिनिधि गिरिराज शर्मा सहित सभी स्थानीय पार्षदों का सम्मान करने के बाद सभी आगंतुक मेहमानों का साफा, माला, शाल, दुपट्टा पहनाकर स्वागत सम्मान किया गया, अध्यक्ष सी.एम. जैन ने बताया कि तरुण -रूबी, अंशिका एवं सार्थक जैन प्लेटिना वाले उक्त कार्यक्रम के पुण्यार्जक थे,उक्त कार्यक्रम में मंदिर समिति के अध्यक्ष सी.एम.जैन, मंत्री विनीत जैन, कोषाध्यक्ष अनिल जैन, कार्यकारिणी सदस्य एकेंन्द्र जैन बिलाला, प्रदीप जैन, विकास जैन ,प्रमोद जैन, मनीष जैन (डोसी),अजित कुमार जैन, महेंद्र कुमार जैन (झंडेवाले), निर्मल पांड्या (सवाई माधोपुर वाले), धन कुमार जैन, पारस बोहरा (खेड़ली वाले), राजेश जैन, बाहुबली जैन, अभिषेक गोधा, नितिन जैन, मनीष जैन, सुबुद्धि जैन, नितिन जैन (सुमेर नगर) अशोक कुमार छाबड़ा ,विनय जैन, सहित रुपचंद बडजात्या,बलवीर बड़जात्या, पदम बिलाला ,सुशील छाबड़ा , मुन्ना छाबड़ा, मोहनलाल जैन गोकुलपुरा फागी वाले तथा राजाबाबू गोधा सहित सभी पदाधिकारी गण एवं सारा सकल जैन समाज मोजूद था।

'प्रभु भक्ति'- शंखेश्वर पार्श्वनाथ मंदिर में

उदयपुर. शाबाश इंडिया

संगिनी मैन उदयपुर की सखियों द्वारा धूलकोट स्थित 'शंखेश्वर पार्श्वनाथ मंदिर' प्रांगण पर बड़े ही धुमधाम व हर्षोल्लास के साथ प्रभु भक्ति कार्यक्रम आयोजित किया गया। मंदिर जी आरती के पश्चात्ग्रुप सदस्य प्रभु भक्ति में लीन हुए व तबला वादन के साथ भक्ति में झुम उठे। इस कार्यक्रम में सभी संगिनी सदस्यों को उनके जीवनसाथी के साथ आमंत्रित किया गया। प्रभु भक्ति की लाभार्थी कार्यकारिणी सदस्य सरोज तलेसरा द्वारा प्रभावना वितरित की गई। ग्रुप अध्यक्ष डॉ प्रमिला जैन ने बताया कि संगिनी सखियों के रूझान को देखते हुए प्रतिमाह इस प्रकार का कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। कार्यक्रम में कमला नलवाया, गुणबाला जैन, नमिता मेहता, मंजू सरूपरिया, कविता जैन, शशि जैन, मंजू मेहता, शशि कंठालिया आदि कई संगिनी सखियों ने बड़े ही उत्साह पूर्वक भाग लिया।

अंतिम प्रहर–अंतिम प्रहार

जैन धर्म और संस्कृति को जीवंत बनाए रखन आज के समय की मांग है। हम उस दौर में प्रवेश कर चुके हैं जहाँ आपसी मन मुटाव, एक दूसरे के प्रति अविश्वास, गुट बाजी, मान कषाय, सामाजिक संगठनो में व्याप्त राजनैतिक महत्वाकांक्षा, ₹मेरा वजूद, मेरा अस्तित्व मेरा ममत्व, मैंने समाज के लिए इतना किया मुझे मंच पर बराबर सम्मान नहीं मिला₹ जैसी क्षुद्र भावना पल्लवित होती रही तो समाज के वजूद का खत्म स्वयं ही होजायेगा, किसी दीगर को कोई प्रयास करने का श्रम भी नहीं उठाना पड़ेगा। डेमोक्रेटिक व्यवस्थाएं वैसे ही कई देशों में विफल साबित होती जा रही है। भारत में मौजूद सभी पॉलीटिकल पार्टी / चुनावी कैंडिडेट की जीत का आधार सिर्फ धर्म और जाति के विषय पर ही होता है। सरकार एवं सरकारी क्षेत्र में तो वैसे ही हमारा नेतृत्व शून्य होता जा रहा है। और अगर सामाजिक स्तर पर भी एका नहीं रहेगा तो ''धर्म और समाज का दुर्दांत अंत संभवत हमारी आंखों के सामने ही होगा।'' भारत के अनेक हिस्सों में पड़ोसी देशों से गैर कानूनी ढंग से आने वाले भारी मात्रा में जाहिल अपने फर्जी दस्तावेज, भारतीय नागरिकता भी हासिल कर रहे हैं । केंद्र सरकार चुप है, राज्य सरकार भी चुप है । यह हाल तो तब है जब भारत में तथाकथित हिंदुओं के रक्षा के लिए बनी हुई सरकार हैं। भारत के कई इलाकों के कट्टरपंथ जाहिल नित नए प्रपंच उन्माद आतंकवाद फैला रहे है, फिर भी सरकार मौन है। यह एक बहुत बड़ा मैसेज हम सबके लिए हैं कि जब खतरे की घंटी बजेगी सभी जिम्मेदार कान में रुई ठूस कर चिलम फूंकते मिलेंगे। वोट के संख्या आबादी तय करती है इस आधार पर चुनाव जीत भी गए तो कुछ चुनिंदा साल के बाद कट्टरपंथ जाहिल सोच वाली सरकार बनने लगेगी जिनके लिए हम इंसान नहीं सिर्फ ''काफिर'' है। और मुझे ये बताने की आवश्यकता भी नहीं की इस हाल में जियेंगे कैसे। करोडो की संपत्ति भी अपने एक दो सन्तानो के लिए छोड़ दोगे तो भी तो भी भविष्य में क्या कर लोगे आतंकवाद के सामने? उन्माद आतंकवाद से भरी एक वीभत्स्य मानसिकता सोच लिए एक ऐसी फौज हमारे सामने, हमारे आसपास ही विकसित की जा रही है जो प्रतिदिन सिर्फ एक ही भावना 'मकसद' में जीते और मरते हैं कि 'हम काफिर है और काफिर को मरना काटना संपत्ति लूटना उनका जन्म सिद्ध अधिकार है।' एक वीभत्स्य मानसिकता का सामना करने के लिए कब तैयार होंगे? भले ही ये सम्पूर्ण समुदाय की शत प्रतिशत मानसिकता न हो; परन्तु ऐसे समुदाय में जाहिलों की भारी संख्या में मौजूदगी है जो की काफी है । स्मरण रहे ''हम सभी आर्य क्षत्रिय है अहिंसा का मार्ग हमने स्वेच्छा से चुना है परन्तु नपुंसक नहीं है।'' जैन धर्म के मूल सिद्धांतों जैसे अहिंसा, अपरिग्रह, और सत्य धार्मिक साहित्य, ग्रंथ और कहानियों को बच्चों और युवाओं तक पहुँचाएं। आठ वर्ष से ऊपर हो चुके सभी बच्चो, युवाओ को निमियत रूप से अभिषेक दर्शन के भाव जागृत करें, प्रतिदिन संभव न हो तो कम से कम अवकाश के दिन नियमित रूप से पालन करावे। युवाओं को धार्मिक गतिविधियों में समिति संगठन में शामिल करें और उनके लिए नेतृत्व के अवसर पैदा करें ताकि वे जैन धर्म की धरोहर को आगे बढ़ा सकें एक घर से एक युवा धर्म और समाज के लिए कर्मठ कार्यकर्ता के रूप में शामिल रहे। सेवा की तीन भाग होते हैं तन मन और धने धन तीसरे पायदान पर आता है। सर्वप्रथम तन अर्थात ''कार्यकर्ता'' सामाजिक धार्मिक गतिविधियों में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेने के लिए सभी को विशेष कर युवाओं को प्रोत्साहित करें । सामाजिक मेलजोल व्यवहार को बढ़ावा दें। सेल्फ डिफेन्स जरूर सभी को सिखाये। हर घर जो भी आवश्यक साधन वस्तु लगे जिस से आत्मरक्षा की जा सके; रखो। बच्चे दो ही अच्छे इस जहरीली सोच ने पढ़े लिखे संजीदा इंटेलेक्चुअल वर्ग को समाप्ति के मुहाने पर लाकर खड़ा कर दिया है । आज की पीढ़ी (मैं भी अपवाद नहीं) में इतनी क्षमता भी नहीं की शारीरिक स्तर पर स्वयं की रक्षा के लिए कोई लड़ाई भी लड़ सके। उठाई गिरे छुट्ट भईए भी कही दिख जाए तो अगल बगल से निकलने का मार्ग ढूंढते है। विश्व के सबसे समृद्ध एवं वास्तु अनुरूप बने हुए जयपुर शहर गुलाबी परकोटे से तो हमारे पूर्वज परिजन करीब करीब सभी निकलकर बाहर वैसे ही आ चुके हैं। वहां के मंदिरों की धार्मिक स्थलों की दुर्दशा की वास्तविकता से तो सभी परिचित है। और उन इलाकों में प्रवेश कौन सा समुदाय कर रहा है यह भी सबको पता है । अब कम से कम आंखों देखे तथ्यों को नजर अंदाज करने की आदत पर ब्रेक तो लगे। यह सोच तो मन के अंदर जागृत हो की कहां तक और कब तक सिर्फ भागते ही रहना है? यह वजूद की लड़ाई समाज को अपने स्तर पर ही लड़नी होगी यह बात जितनी जल्दी समझ सके भविष्य के लिए उतना ही बेहतर रहेगा।

अभिषेक सांघी (यह लेखक के अपने निजी विचार है।)

नवरात्रि के पावन अवसर पर होगा 10 दिवसीय आराधना महोत्सव-सहस्त्रकूट विज्ञातीर्थ श्री दिगंबर जैन अतिशय क्षेत्र में

गुन्सी, निवाई. शाबाश इंडिया

राजस्थान की पावन धरा पर अद्वितीय द्वितीय वर्षायोग 2024 के अंतर्गत नवरात्रि एवं दशहरा के पावन अवसर पर 10 दिवसीय आराधना महोत्सव का आयोजन पूज्य गुरु मां विज्ञाश्री माताजी ससंघ सान्निध्य में होने जा रहा है।अतिशयकारी श्री शांतिनाथ भगवान की शांतिधारा करने का सौभाग्य पवन कुमार पांड्या केकड़ी वाले गुड़गांव सपरिवार ने प्राप्त किया। इसी के साथ आज के चातुर्मास संयोजक बनने का सौभाग्य सत्येंद्र जैन चांदनी चौक दिल्ली सपरिवार को प्राप्त हुआ। गुरु भक्त रेखा जैन सरवाड ने जन्मदिन के उपलक्ष में पूज्य गुरु मां के पाद प्रक्षालन,शास्त्र भेंट एवं वस्त्र भेंट करने का सौभाग्य प्राप्त किया। पूज्य गुरुमां ने सभी भक्तों को शुभाशीष देते हुए कहां कि एकम से दशहरा तक इन दस दिनों में की जाने वाली आराधना तात्कालिक फल को देती है। अतः इन 10 दिनों में जो भक्त भगवान की समर्पण भावों के साथ भक्ति करता है उसके सारे मनोरथ स्वत ही पूर्ण हो जाते हैं। अतिशयकारी श्री शांतिनाथ भगवान के चरणों में भक्ति आराधना करने का सातिशय पुण्यशाली अवसर आप सभी को मिलने जा रहा है इस सातिशय पुण्य के साक्षी बनकर पुण्यार्जन करें। प्रतिक जैन सेठी ने बताया की आज पूज्य गुरुमां की आहार चर्या करने का सौभाग्य निवाई महिला मंडल साथ ही गुड़गांव से पधारे हुए गुरु भक्त अमित पांड्या सपरिवार ने प्राप्त किया।

भगवान श्री राम ने लिया जन्म

विराटनगर. शाबाश इंडिया

कस्बा की रामलीला मैदान में श्री अवधेश कला केंद्र रामलीला मंडल के तत्वावधान में आयोजित 17 दिवसीय लीला मंचन के दौरान सोमवार को भगवान श्री राम के जन्म की लीला दिखाई गई। लीला प्रसंग के दौरान अयोध्या के महाराज दशरथ के तीन रानियां होने के बावजूद उनके चौथे पन में संतान सुख के वियोग में दुखी होने पर उन्होंने गुरु वशिष्ट के पास जाकर अपनी व्यथा सुनाई जिस पर गुरु वशिष्ठ ने श्रृंगी ऋषि के द्वारा उनके लिए पुत्रेष्ठी यज्ञ संपन्न करवाया तथा उनके बताए अनुसार यज्ञ की हवी चारों रानियों में वितरित कर ग्रहण करवाया गया जिस पर माता कौशल्या के चतुर्भुज रूप में भगवान श्री राम ने अवतार लिया महारानी कौशल्या ने अपना अपयश समझ कर चतुर्भुज रूप को बालक रूप में जन्म लेने हेतु प्रार्थना की जिस पर भगवान विष्णु ने प्रकट होकर कहा कि पूर्व में अपने मनु और शतरूपा के रूप में कठिन तपस्या कर आपके समान पुत्र प्राप्ति की इच्छा प्रकट की थी इसलिए मैंने इस रूप में जन्म लिया है भगवान ने बालक रूप में अवतार लेकर माता कौशल्या की इच्छा पूरी की इस प्रकार महाराज दशरथ के यहां तीनों रानियों के चार पुत्र राम भरत लक्ष्मण शत्रुघ्न ने जन्म लिया जन्मोत्सव के बाद गुरु वशिष्ठ ने उनका नामकरण संस्कार किया तथा शिक्षा और दीक्षा दी। इससे पूर्व रावण कुंभकरण विभीषण इत्यादि ने जन्म लिया एवं मेघनाथ ने देवराज इंद्र को अनेक देवताओं सहित बंदी बनाकर लंका में लंका अधिपति रावण के समक्ष पेश किया।

इन्दौर शहर के प्राचीन मानस्तंम जिनबिम्ब का महा मस्ताभिषेक महोत्सव संपन्न हुआ

इंदौर. शाबाश इंडिया

दानवीर सर सेठ स्वरूपचंद्र हुकुमचंद्र कासलीवाल द्वारा निर्मित 126 वर्ष प्राचीन अतिश्यकारी श्री पार्श्वनाथ जिनालय के मूलनायक श्री 1008 पार्श्वनाथ भगवान जी की महती कृपा एवं संत शिरोमणि आचार्य भगवंत गुरुदेव श्री विद्यासागर जी महा मुनिराज एवं नवाचार्य श्री समय सागर जी महाराज के आशीर्वाद से, ऐलक श्री निःशंक सागर जी महाराज की प्रेणना अनुसार, संत प्रवर, गुणायतान प्रणेता, शंका समाधान जनक, भावना योग प्रवर्तक पूज्य मुनि श्री प्रमाण सागर जी महाराज ससंघ के मंगल सानिध्य में मानस्तंभ महामस्ताभिषेक का कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर परम पूज्य मुनि श्री प्रमाण सागर जी महाराज ने कहा कि पुण्य शाली मनुष्य के जीवन में किये गये पुनीत कार्य सदियों तक समाज में गौरवशाली इतिहास बनकर हम सभी को मनुष्य धर्म निभाने की सीख देते हैं। सेठ बहुत हुऐ पर सर सेठ वह भी दानवीर बहुत कम हुऐ तभी तो उनके बनायें हुए मंदिर धर्मशाला अस्पताल वह अन्य क्षेत्र में किये गये परोपकार के दीपक आज भी प्रज्वलित है। उनके परिवार को व हम सभी को उन सभी चीजों को सहेजने की जरूरत है ओर हम चाहते हैं सेठ हुकुमचंद जी के परिवार के लोग देव शास्त्र गुरुसेवा में हमेशा समर्पित कर अपना भी पुण्य करें। क्योंकि कर्म रुपी आईने में सभी का अपना अपना कर्म होता है ओर उसे फल भी उसी के आधार पर मिलता है। मुनिश्री ने कहा आज इन्दौर के इस प्राचीनतम मानस्तंम के 126 वर्ष दिगंबर जैन समाज के लिए गोरवान्वित करने वाली बात है। सबसे ज्यादा गर्व इस बात का है कि भविष्य ने इस परम्परा व संस्कृति को अपने हाथ में थाम रखा है और युवा वर्ग धर्म के प्रति जागरूक के साथ आगे बढ़ रहे हैं। यहां इन्दौर शहर का सबसे प्राचीन मानस्तंम है जिसे सर सेठ हुकुमचंद जी ने बनवाया था इस मानस्तंम में जिनबिम्ब की प्रतिमा विराजमान हैं, जिसके अभिषेक साल में एक बार करने की परम्परा आचार्य श्री विद्यासागर जी के परम प्रिय शिष्य समाधिस्थ ऐलक श्री निशंक सागर जी ने रखी थी जो निरंतर प्रवाह से अपने सत्रहवें वर्ष में प्रवेश कर रही है मंदिर जी का व मानस्तंम का जीर्णोद्धार ऐलक श्री के करकमलों द्वारा ही किया गया था उसी के पुण्य उदय से मंदिर जी का अतिशय पूरे शहर में व्याप्त है, मूल वेदी में चिंतामणि पार्श्वनाथ भगवान की प्रतिमा सभी के संकटों का निवारण करती है जहां दूर दूर से सभी समाज के भक्त पारस प्रभु के आशीष लेकर खुशियां लेकर जाते हैं।

2 अक्टूबर को विश्व अहिंसा दिवस पर अहिंसा एवं शाकाहार पर सर्वधर्म संगोष्ठी का आयोजन

अहिंसा ही भारतीय संस्कृति है: मुनि श्री अक्षयसागर

ललितपुर. शाबाश इंडिया

अन्तर्राष्ट्रीय अहिंसा दिवस गांधी जयंती के अवसर पर 2 अक्टूबर 2024 दिन बुधवार को समय दोपहर 02:00 बजे से श्री महावीर दिगम्बर जैन संस्कृत उच्चतर माध्यमिक विद्यालय साढूमल में विश्व अहिंसा दिवस पर अहिंसा एवं शाकाहार पर सर्वधर्म संगोष्ठी का आयोजन आचार्य श्री 108 विद्यासागर जी महाराज के परम प्रभावक शिष्य मुनि श्री 108 अक्षयसागर जी महाराज के सान्निध्य में सकल दिगम्बर जैन समाज साढूमल के आयोजकत्व में किया जा रहा है। आयोजकों ने उक्त महत्वपूर्ण आयोजन में अधिक से अधिक संख्या में सम्मिलित होने की अपील की है। मुनि श्री अक्षयसागर जी महाराज ससंघ का मंगल प्रवेश प्रातः साढूमल में होगा, जहाँ उनकी भव्य मंगल अगवानी की जाएगी। विश्व अहिंसा दिवस की पूर्व संध्या पर मुनि श्री अक्षयसागर जी महाराज ने कहा कि अहिंसा ही भारतीय संस्कृति है। अहिंसा को जैन, हिन्दु,बौद्ध, व अन्य धर्मों में मानवीय क्रियाओं का आधार माना गया है। अहिंसा की शिक्षा तो भारतीय संस्कृति की पहचान है। गांधी जी ने भी अहिंसा के रास्ते पर चलकर देश को स्वतंत्रता दिलाने में अपनी अहम भूमिका का निर्वाह किया। जगत में जितने भी तीर्थंकर, परमात्मा, ईश्वर, ऋषि-मुनि, महंत,महात्मा, माऊली, मौलवी आदि जितने भी संत साधू होकर गये, इन सभी ने यही बताया कि - अहिंसा परमो धर्मः। अहिंसा सिर्फ एक उपदेश नही है बल्कि जीवन का क्रियात्मक सिद्धांत है। **प्रेषक : डॉ सुनील जैन संचय**

अहिंसा में निहित है विश्व की समस्याओं का समाधान

अहिंसा सिद्धांत को गांधी जी ने जनांदोलन बनाया: मुनि श्री अक्षयसागरजी महाराज

भारत एक धर्म प्रधान देश है।जिस तरह कुशल माली सुन्दर गुलदस्ता बनाते समय रंग-बिरंगे फूलों के द्वारा मनमोहक बनाता है। वैसे भारत में कई धर्म, जाति, सम्प्रदाय, पंथ आदि का यह गुलदस्ता हैं।गुलदस्ता का हर फूल धर्म, जाति, समाज, नागरिक है। तो अहिंसा उसकी गन्ध है।गन्ध अपने में ही रहे, यह तो नहीं हो सकता। उसे हवा में बिखर कर ही रहना है।वह दूर तक फैल जाती है। वैसे ही भारत की अहिंसा की गन्ध पूरे विश्व में बिखर गयी। इसी के कारण 2 अक्टूबर 'अंतरराष्ट्रीय अहिंसा दिन' के रुप में महात्मा गांधीजी के जन्म दिवस के दिन को 'संयुक्त राष्ट्र संघ' ने घोषित किया है।

अंतरराष्ट्रीय अहिंसा दिवस: तीर्थंकर भगवान महावीर स्वामी के अहिंसा सिद्धांत को गांधी जी ने जनांदोलन बनाया और देश को अंग्रेजी दासता से मुक्ति दिलाई। इसलिए गांधी जी के जन्म दिवस 2 अक्टूबर को अंतर्राष्ट्रीय अहिंसा दिवस के रूप में मनाया जाता है। 15 जून 2007 को संयुक्त राष्ट्र महासभो में 2 अक्टूबर को अंतर्राष्ट्रीय अहिंसा दिवस स्थापित करने के लिए मतदान हुआ।महासभा में सभी सदस्यों ने 2 अक्टूबर को इस रूप में स्वीकार किया। अंतर्राष्ट्रीय अहिंसा दिवस का उद्देश्य हमारी दुनिया में शांति, न्याय और स्थिरता को बढ़ावा देने में अहिंसा की महत्वपूर्ण भूमिका पर ध्यान केंद्रित करना है।

अहिंसा सबसे बड़ा शस्त्र: गांधी जी मानते थे कि सत्य और अहिंसा के रास्ते पर चलकर सब कुछ हासिल किया जा सकता है। महात्मा गांधी एक ऐसे व्यक्तित्व थे ,जिनके विचारों ने पूरी दुनिया को शान्ति ,सद्भाव और अहिंसा का पाठ पढ़ायो विश्व में ऐसे कई महान लोग हुए जो गांधीजी के विचारों से बेहद प्रभावित हुए। समाज की भावनाओं का आदर करते हुए भारत के आदर्श समाज की कल्पना करने वाले समाज सुधारक, राष्ट्रचिंतक एवं दार्शनिक महात्मा गाँधी जी के लिये अहिंसा सबसे बड़ा शस्त्र था। गाँधी जी के अनुसार-अहिंसा वो मुख्य तत्व है जिसने सम्पूर्ण मानवता को प्रेम और आत्मशुद्धी की सहायता से कठिन से कठिन संकटों में सफलता पाने का संदेश दिया है।

आध्यात्मिक शक्ति की प्रतीक अहिंसा: गाँधी जी अहिंसा को सर्वोच्च नैतिक और आध्यात्मिक शक्ति का प्रतीक मानते थे। उनके अनुसार तो अहिंसा केवल दर्शन नही है बल्की कार्य करने की पद्धति है, ह्रदय परिवर्तन का साधन है। गाँधी जी ने तो अहिंसा की भावना को सामाजिक, धार्मिक तथा आर्थिक तीनों क्षेत्रों के लिये आवश्यक तत्व माना है। अहिंसा पर गांधी जी ने बड़ा सूक्ष्म विचार किया है। वे लिखते हैं, ह्रअहिंसा की परिभाषा बड़ी कठिन है। अमुक काम हिंसा है या अहिंसा यह सवाल मेरे मन में कई बार उठा है। मैं समझता हूँ कि मन, वचन और शरीर से किसी को भी दुःख न पहुंचाना अहिंसा है। लेकिन इस पर अमल करना, देहधारी के लिए असंभव है।

सभी धर्मों का आधार अहिंसा: अहिंसा को जैन, हिन्दु,बौद्ध, व अन्य धर्मों में मानवीय क्रियाओं का आधार माना गया है। अहिंसा की शिक्षा तो भारतीय संस्कृति की पहचान है। उपनिषदों में भी अहिंसा को विशेष महत्व दिया गया है। जैन धर्म में अहिंसा परमो धर्मः के रूप में एक महान धर्म माना गया है। अहिंसा की सबसे सूक्ष्म विवेचना जैनधर्म में कई गयी है। गांधी जी ने भी अहिंसा के रास्ते पर चलकर देश को स्वतंत्रता दिलाने में अपनी अहम भूमिका का निर्वाह किया।

जगत में जितने भी तीर्थंकर, परमात्मा, ईश्वर, ऋषि-मुनि, महंत,महात्मा, माऊली, मौलवी आदि जितने भी संत साधू होकर गये, इन सभी ने यही बताया कि - अहिंसा परमो धर्मः, जीवाणं रक्खणं धम्मो।।

- जीवों की रक्षा करना ही धर्म है (धर्मस्य मूलं दया...)

अहिंसा का सामान्य अर्थ है 'हिंसा न करना'। इसका व्यापक अर्थ है - किसी भी प्राणी को तन, मन, कर्म, वचन और वाणी से कोई नुकसान न पहुँचाना। मन मे किसी का अहित न सोचना, किसी को कटुवाणी आदि के द्वार भी नुकसान न देना तथा कर्म से भी किसी भी अवस्था में, किसी भी प्राणी कि हिंसा न करना, यह अहिंसा है।

नींव के बिना भवन खडा हो नही सकता, जड़ के बिना वृक्ष खड़ा रह नही सकता है।जिस वृक्ष की जड़े मजबूत होती है, वृक्ष उतना ही विकसित होता है और बादल के बिना बारिश नहीं हो सकती वैसे ही 'अहिंसा' के बिना जीवन विकसित नहीं हो सकता।

दुःख का मूल कारण हिंसा :

ऋषि-मुनियों ने दुःख का मूल कारण हिंसा बताया है -हिंसैव दुर्गतेद्वार्रं हि सैव दुरितार्णवः। हिंसैव नरकं घोरं हिंसैव गहनं तम।। हिंसा

दुर्गतिका द्वार है। हिंसा पाप का समुद्र है। हिंसा घोर नरक है और हिंसा महा अंधकार है।

हिंसा प्रसूतानि सर्वदुःखानि ।

जिस तरह माता बालक को जन्म देती है। वैसे समस्त दुःख को जन्म देनेवाली हिंसा है। अहिंसा की महानता को किसी जाति, धर्म और सम्प्रदाय या किसी विशेष व्यक्ति नाम के साथ अथवा देश और काल की सीमाओं से जकड़ा नही जा सकता। 'अहिंसा विश्व धर्म' है याने प्राणी मात्र का धर्म है। जिस प्रकार घाट पर जाकर पानी पीने से सभी प्राणी की प्यास बुझती है उसी प्रकार अहिंसा धर्म में भी वही शक्ति है। जो आत्मा इसे धारण करेगी वही आत्मा परमात्मा बन सकती हैं।

अहिंसा से जीवन शुद्धि :

अहिंसा से जीवन शुद्धी होती है। अहिंसा से ही आत्मकल्याण का मार्ग प्रशस्त हो सकता है। धर्म का सारा ढांचा अहिंसा पर आधारित है। इसलिए कहा जाता है कि, धर्म का प्रमुख तत्व 'अहिंसा' है। अहिंसा कहां है? - 'आत्मवत्सर्वभूतेषु'।

जैसी मेरी आत्मा है। वैसे प्रत्येक संसारी जीवों की आत्मा है। जिसको यह समझ में आया, उसने अहिंसा को समझ लिया। जिस प्रकार का व्यवहार हम नही चाहते हैं कि दूसरे हमारे प्रति करे, वैसा व्यवहार हम भी उनके प्रति न करे। इसे धर्म कहते हैं।

कई लोग अपना परिचय देते समय जैन, हिन्दु, वैष्णव, इस्लाम, बौद्ध, सिख आदि कहकर धर्म की ,सम्प्रदायों की दीवारें/सीमाएं खीच देते हैं। इसलिए भगवान महावीरादि तीर्थंकरोंने कहा कि, धर्म उसको कहना 'आत्मवत्-सर्वभूतेषु।' 'जिओ और जीने दो' - हमें जीने की इच्छा है, वैसे समाने वाले को भी जीने की इच्छा है।

मांस को कृषि दर्जा देना संस्कृति का अपमान : मांस उत्पादन मामले में 'कृषि' शब्द का इस्तेमाल किया जा रहा है। मांस को कृषि दर्जा देकर संस्कृति को बड़ा धोका दे रहे हैं। बूचड़खाने खेत नहीं है। भारत सरकारने उन्हें कृषि के अन्तर्गत रख कर 'वधिक' और 'कृषक' दोनों को एक दर्जा देकर घोर अन्याय कर रही है, हमारे देश की अहिंसा, शांति, दया आदि शक्तियाँ क्षीण की जा रही हैं।

इसी कारण प्राकृतिक आपदायें बढ़ती जा रही हैं। सुजडल (रुसा में पिछले दिनों भूस्खलन और प्राकृतिक आपदा पर हुए एक सम्मेलन में भारत से गए तीन वैज्ञानिकों ने एक शोधपत्र पढ़ा। डॉ. मदन मोहन बजाज, डॉ. इब्राहीम और डॉ. विजयरजसिंह के तैयार किए शोधपत्र के आधार पर कहा कि - भारत में पिछले दिनो आए तीन बड़े भूकंपो में आइस्टीन पैन वेब्ज (इपीडब्ल्यू) या नोटीष्शन वेब्ज कारण रही है। कत्लखानों में जब जानवरों को काटा जाता है, उसके पहले कई दिनों तक उनको भूखा रखा जाता है और कमजोर किया जाता है। फिर उसके ऊपर 70 डिग्री सेंटीग्रेट गर्म पानी की बौछार डाली जाती है। उससे उनका शरीर फूलना शुरू हो जाता है। तब गाय और भैंस तडपने और चिल्लाने लगते हैं, तब जीवित स्थिति में उनकी खाल को उतारा जाता है और खून को भी इकट्ठा किया जाता है। फिर धीरे धीरे गर्दन काटी जाती है। दुनिया के करीब ५० लाख छोटे बड़े कत्लखानों में प्रतिदिन ५० लाख करोडमेगावॅट की मारक क्षमतावाली शोक तरंगे या इपीडब्ल्यू पैदा होती है। उन पशुओंकी अव्यक्त कराह, फरफराहट, तडप वातावरण में भय, चिंता और कतल होते समय उनकी जो चीत्कार निकलती है, उनके शरीर से जो स्ट्रेस हारमोन निकलते हैं और उनकी जो शोक वेब निकलती है वो पूरी दुनिया को तरंगित कर देती है, कम्पायमान कर देती है। उत्सीसे प्राकृतिक उत्पात जैसे अतिवृष्टि, अनावृष्टि, बाढ़, भूकंप, पानी का स्तर नीचे जाना, ज्वालामुखी के विस्फोट जैसे संकट आते हैं। इस अध्ययन के मुताबिक एक कत्लखाने से जिस में औसतन पचास जानवरों को मारा जाता है १०४० मेगावॅट ऊर्जा फैलनेवाली इपीडब्ल्यू पैदा होती है। इसीसे विस्फोटमय वातावरण बनता हैं।

आधुनिक विज्ञान ने ये सिद्ध किया है कि, मरते समय जानवर हो या इन्सान अगर उसको क्रूरता से मारा जाता है तो उसके शरीर से निकलनेवाली जो चीख-पुकार है उसकी वायब्रेशन में जो निगेटीव वेब्ज (ऊर्जा) निकलती हैं वो पूरे वातावरण को बुरी तरह से प्रभावित करती है और उससे सभी मनुष्यों पर नकारात्मक प्रभाव पडता है, इससे मनुष्य में हिंसा करने की प्रवृत्ति बढ़ती है जो अत्याचार और पाप पूरी दुनिया में बढ़ा रही है।

हिंसा से प्राकृतिक सन्तुलन बिगड़ा: हिंसा से प्राकृतिक सन्तुलन गड़बड़ा रहा है। समुद्र से मछली और अन्य जीव पकड़कर खाने से समुद्र के नीचे की जमीन का संतुलन डावाडोल होता जा रहा है। इंडोनेशिया में जब सुनामी लहर उठी तो जपान, चीन, इंडोनेशिया और मलेशिया को पार करती हुई भारत के पूर्व तट तक घुस गई। सुनामी के इस तुफान में कई संख्यामें आदमी मरे, जीव जंतु नहीं।

-डॉ सुनील जैन संचय , ललितपुर

शिक्षकों के लिए ''लाइफ स्किल्स एंड वैल्यू एजुकेशन'' कार्यशाला का आयोजन

जयपुर. शाबाश इंडिया

महावीर पब्लिक स्कूल, सी-स्कीम, जयपुर में शिक्षकों के लिए नई शिक्षा नीति के उद्देश्यों पर आधारित कैपेसिटी बिल्डिंग प्रोग्राम के अंतर्गत ''लाइफ स्किल्स एंड वैल्यू एजुकेशन'' कार्यशाला का आयोजन हुआ। जिसमें रिसोर्स पर्सन सीनियर सीबीएसई मास्टर ट्रेनर, मोटिवेशनल स्पीकर, पेरेंटिंग कोच, करियर काउंसलर, सॉफ्ट स्किल ट्रेनर राजन कुमार शर्मा रहे। विद्यालय की प्राचार्या श्रीमती सीमा जैन ने रिसोर्स पर्सन को पौधा भेंट करके उनका स्वागत किया। इस वर्कशॉप में आधुनिक तकनीक से शिक्षा, वैल्यू ऑफ एजुकेशन, शिक्षा का एकीकरण, कला और संस्कृति का संवर्धन, विद्यार्थियों का भावनात्मक आकलन, समस्या समाधान विधि आदि कई विषयों का प्रयोग करते हुए शिक्षण को प्रभावी बनाने के तरीके बताए। प्राचार्या श्रीमती सीमा जैन ने कहा कि यह कार्यशाला शिक्षकों के लिए बहुत ही मनोरंजक एवं उपयोगी रही, जिससे शिक्षक विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास हेतु अपनी शिक्षा पद्धति में सुधार करके गुणवत्तापूर्ण शिक्षण कर सकेंगे।

चावल पर सूक्ष्म लेखन कलाकृतियां देखते हुए श्रमण मुनि श्री 108 समत्व सागर जी महाराज

जयपुर. शाबाश इंडिया

परम पूज्य शिरोमणि आचार्य श्री 108 विशुद्ध सागर जी महामुनिराज के परम प्रभावक परम पूज्य श्रमण मुनि श्री 108 समत्व सागर जी महाराज को श्री दिगंबर जैन अतिशय क्षेत्र श्री पार्श्वनाथ चूलगिरी, जयपुर के संरक्षक, वरिष्ठ पत्रकार प्रवीण चंद्र छाबड़ा ने चांदन के बाबा एवं धम्मम शरणम्-पुस्तक भेंट की। मुनि श्री ने चुलगिरी के ध्यान कक्ष में सूक्ष्म लेखन की कलाकार निरु छाबड़ा की अनेकता में एकता -मेरा भारत महान , भक्तामर स्तोत्र, एक चावल पर नमोकार मंत्र एवं अन्य कृतियों को देख कलाकार को आशीर्वाद दिया। इस अवसर पर प्रवीण छाबड़ा, प्रदीप बाकलीवाल, प्रमोद, रुचि, अनिला, सारांश छाबड़ा आदि उपस्थित थे।

आकाश-मीनल अजमेरा

को शादी की सालगिरह (2 अक्टूबर) की

हार्दिक बधाई

शुभेच्छु : टीकम चन्द-दीपशिखा

पदयात्रा आज पहुंचेगी श्री महावीर जी

विशाल जुलूस के साथ करेंगे प्रवेश, गुरुवार को करेंगे शान्ति नाथ विधान मण्डल पूजा, गुढाचन्द्र जी के दिगम्बर जैन मंदिर में गूंजे जयकारे, महावीर जी पदयात्रियों ने की सामूहिक पूजा अर्चना

ज्ञान वर्धक कार्यक्रम मेरा भारत महान तथा नादोती में हुई धार्मिक अन्ताक्षरी

नादोती/गुढाचन्द्रजी. शाबाश इंडिया

भगवान महावीर के सिद्धांत जीओ और जीने दो, अहिंसा, शाकाहार के प्रचार प्रसार एवं जैन धर्म की प्रभावना बढ़ाने के उद्देश्य को लेकर श्री दिगम्बर जैन पदयात्रा संघ जयपुर के तत्वावधान में शुक्रवार 27 सितम्बर को संघ के संरक्षक सुभाष चन्द जैन एवं संयोजक भाग चन्द गोधा के नेतृत्व में जयपुर की संघीजी की नसिया खानिया से रवाना हुई जयपुर से श्री महावीर जी की 38 वीं पदयात्रा बुधवार 02 अक्टूबर को श्री महावीरजी पहुचेगी।इस मौके पर श्री महावीरजी में पदयात्रा संघ की ओर से विभिन्न आयोजन किये जाएंगे। इससे पूर्व मंगलवार, 1 अक्टूबर को पदयात्रा के दिगंबर जैन मंदिर गुढाचन्द्र जी पहुचने पर स्थानीय जैन समाज की ओर से भावभीना स्वागत-सत्कार किया गया। पदयात्रा के क्षेत्रीय सह संयोजक जितेन्द्र गंगवाल जोबनेर एवं विक्रम जैन खोराबीसल ने बताया कि पदयात्रियों ने स्नानादि के बाद मंदिर जी में संगीतमय सामूहिक पूजन की जिसमें पारस प्यारा लागो जिनेश्वर प्यारा लागो...., केसरिया केसरिया आज हमारो रंग केसरिया.... सहित भक्ति संगीत पर सुभाष चन्द जैन, भाग चन्द गोधा, सूर्य प्रकाश छाबड़ा, विनोद जैन 'कोटखावदा , भारतभूषण जैन, शालिनी अजमेरा, सोभाग मल जैन, मोना जैन ,शैफाली काला, अजय जैन, गौरव काला चन्दलाई आदि ने नृत्य प्रस्तुति दी। अन्त में जयकारों के बीच श्री जी के कलशाभिषेक किये गये।माल का पुण्यार्जन समाजश्रेष्ठी दिनेश - कविता बाकलीवाल, दीपक - मोना बाकलीवाल ने किया। इस मौके पर संघ के संरक्षक सुभाष चन्द जैन, संयोजक भाग चन्द गोधा, सह संयोजक सुशील जैन महेश जैन, सोभाग मल जैन, दिनेश पाटनी, राजेश शाह, सुमित जैन, कुसुम सेठी, मोना जैन, क्षेत्रीय सह संयोजक जितेन्द्र गंगवाल (जोबनेर),मुकेश पाटनी (चौमूं),अंकित जैन (बगरुं) नितेश जैन (अजमेर), विक्रम जैन (खोराबीसल) ,शैफाली काला (धौंद) ,विमल जैन (धूंधडी) , सतीश जैन (खाटू श्याम जी)सहित पदयात्रा के पूर्व संयोजक सुरेश ठोलिया, सूर्य प्रकाश छाबड़ा, महेन्द्र गिरधरवाल, विनेश सोगानी, मैना बाकलीवाल ,मनीष लुहाडिया, राजेन्द्र जैन मोजमाबाद,राज कुमार बडजात्या, विनोद जैन 'कोटखावदा', देवेन्द्र गिरधरवाल, जिनेन्द्र जैन, पवन जैन, सुशील जैन सहित पदयात्रा संघ के कार्यकारिणी सदस्य एवं बड़ी संख्या में पदयात्री बन्धु व स्थानीय समाज जन मौजूद थे। पदयात्रा संघ के प्रचार प्रभारी विनोद जैन 'कोटखावदा' के अनुसार दोपहर में नादोती रोड पर संघ की ओर से ज्ञान वर्धक, संदेशात्मक तथा देश भक्ति पर आधारित कार्यक्रम मेरा भारत महान हाऊजी का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि समाजसेविका दीपा गोधा एवं समाजसेवी पवन जैन नैनवा थे। संचालन विनेश सोगानी एवं सलिल जैन ने किया।इस मौके पर देवेन्द्र गिरधरवाल, राजेन्द्र जैन मोजमाबाद, मनीष लुहाडिया, मुकेश पाटनी, दीपा गोधा, पवन जैन विजेता रहे। सभी को संघ की ओर से पुरस्कृत किया गया। सायकांल पदयात्रियों द्वारा नादोती के महावीर पब्लिक स्कूल में धार्मिक अन्ताक्षरी का आयोजन किया गया। संचालन मैना बाकलीवाल एवं सलिल जैन ने किया। इस मौके पर एक सादा समारोह में धार्मिक ज्ञान प्रकाश प्रतियोगिता की उत्तर तालिका का विमोचन समाजसेविका कविता बाकलीवाल एवं रजनीश जैन ने किया गया। मंच संचालन प्रभारी महेन्द्र गिरधरवाल ने किया। पदयात्रियों ने रात्रि विश्राम खेडला-खेडली स्कूल में किया। पदयात्रा संघ के संरक्षक सुभाष चन्द जैन के मुताबिक बुधवार 02 अक्टूबर को प्रातः चांदनगांव से विशाल जुलूस के रुप में नाचते गाते पदयात्री मुख्य मंदिर पहुचकर भगवान महावीर के दर्शन करेंगे। कटला प्रांगण में सामूहिक प्रार्थना एवं क्षमावाणी कार्यक्रम के बाद अर्हं ध्यान योग का आयोजन किया जाएगा। दोपहर में पदयात्रियों का सम्मान समारोह आयोजित किया जाएगा।

महावीर इंटरनेशनल गढ़ी द्वारा आयोजित शिविर में किया 30 लोगों ने रक्तदान

अजीत कोठिया. शाबाश इंडिया

गढ़ी परतापुर। महावीर इंटरनेशनल गढ़ी परतापुर, पायोनियर सीनियर सेकेंडरी स्कूल गढ़ी एवं ब्लड बैंक महात्मा गांधी चिकित्सालय बांसवाड़ा के संयुक्त तत्वावधान मे आज स्वैच्छिक रक्तदान दिवस पर एक रक्तदान शिविर आयोजित किया गया जिसमे 30 युवाओं ने रक्तदान किया। आयोजन मे एम आई के गवर्निंग काउंसिल सदस्य अजीत कोठिया, चेयरपर्सन प्रितल पंड्या, संरक्षक परेश पंड्या, सचिव राम भरत चेजारा, पूर्व अध्यक्ष रमनलाल डामोर, डा. पदमेंद्र पंचोरी तथा एन एस बघेल ने सक्रिय सहयोग दिया। आयोजन मे स्वेच्छा से दिनेश चिकलीकर, हर्षिला शुक्ला , प्रतीक श्रीमाली, जयनम जैन, विपिन कलाल, निलेश नाई, जयेश भाटिया, निशांत परतापुर, डा. संकेत भावसार, जिज्ञा भावसार, सौरभ रावल, अविश जैन, आशुतोष श्रीमाली, सागर गवारिया, नजमा खान, चिन्मय पंड्या, भरत कुमार दवे, अर्पित शाह, सुभाष शर्मा, राकेश डबगर, सचिन कुमार शर्मा, विनीत भट्ट, राजेश भट्ट, शैलेंद्र जैन, मनोज सी शाह डडूका, दिनेश सिंह राव, मनोज के शाह, रामभरत चेजारा, राकेश गवारिया तथा सुमित वसीटा ने रक्तदान किया। सभी रक्तदाताओं का पायोनियर इंस्टीट्यूशंस की ओर से उपारणा ओढ़ा कर, ब्लड बैंक की ओर से माल्यार्पण कर तथा महावीर इंटरनेशनल गढ़ी परतापुर की ओर से माल्यार्पण द्वारा अभिनन्दन किया गया। पायोनियर के छात्र छात्राओं ने रक्तदान शिविर लाइव देखा और प्रभावित हुए।